

धरने पर बैठे राहुल गांधी को उठाकर ले गई पुलिस, नाक से बहता दिखा खून, हिरासत में लिए गए कई नेता



नई दिल्ली (एजेंसी) प्रधानमंत्री आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्वा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी को पुलिसकर्मियों द्वारा बस तक ले जाते समय धक्का-मुक्की हुई, जिसके बाद कांग्रेस ने आरोप लगाया कि इस दौरान उन्हें चोट लगी और उनकी नाक से खून बहने लगा। पार्टी का यह भी दावा है कि उनके सीने पर भी चोट के निशान हैं। धरने के दौरान सड़क पर बैठे राहुल गांधी हिरासत में लिए जाने के दौरान राहुल गांधी सड़क पर बैठ गए और पुलिस के साथ जाने से इनकार कर दिया। इसके बाद पुलिसकर्मी उन्हें उठाकर बस तक ले गए। इस दौरान वहां मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है। छात्रों के मुद्दे पर प्रदर्शन कांग्रेस नेताओं ने छात्रों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई के विरोध में प्रधानमंत्री आवास के निकट धरना दिया था। प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस्तीफे की मांग करते हुए सरकार पर छात्रों की आवाज दवाने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेताओं ने हाथों

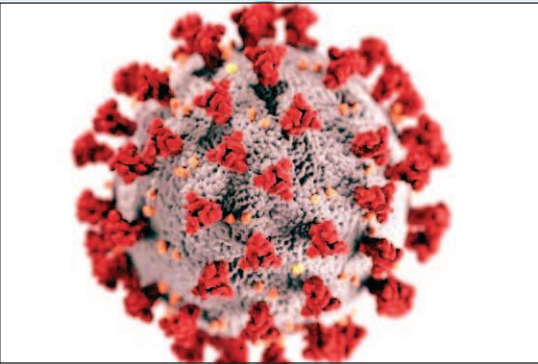
में सांकेतिक हथकड़ियां पहनकर भी विरोध जताया। विपक्षी नेताओं को पुलिस ने हटाया धरना स्थल पर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देते हुए प्रदर्शन समाप्त कराने की कोशिश की। इसके बाद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव सहित कई नेताओं को हिरासत में लेकर बसों के जरिए वहां से हटाया गया। कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी, सुबजिंदर सिंह रंधावा, शशिकांत सेंथिल और अन्य नेताओं को भी हिरासत में लिया गया। जमकर हुई नारेबाजी प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने “प्रधानमंत्री इस्तीफा दो” “छात्रों को न्याय दो” और “लोकतंत्र बचाओ” जैसे नारे लगाए। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा और पूरे इलाके की सुरक्षा कड़ी कर दी गई। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि छात्रों के साथ हुई घटना पर सरकार जवाबदेही से बच रही है और संसद में इस मुद्दे पर चर्चा भी नहीं होने दी जा रही। उन्होंने कहा कि छात्रों के साथ हुई कार्रवाई पूरे देश के युवाओं पर हमला है और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। प्रियंका गांधी ने भी सरकार पर साधा निशाना प्रियंका गांधी वाड्वा ने कहा कि विपक्ष छात्रों के मुद्दे पर संसद में

चर्चा चाहता है, लेकिन उसे अपनी बात रखने का अवसर नहीं दिया जा रहा। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था और छात्रों की सुरक्षा को लेकर सरकार से जवाब मांगा तथा संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। नई दिल्ली में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस ने प्रधानमंत्री आवास तक मार्च निकाला। इस बीच लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी ने केन्द्र सरकार को घेरा। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर पोस्ट कर कहा कि छात्रों पर हमला हर भारतीय परिवार पर हमला है। प्रधानमंत्री को लगता है कि वे बिना जवाब दिए और बिना किसी नतीजे का सामना किए बच निकलेंगे, लेकिन वह ऐसा नहीं कर पाएंगे, इस बार तो बिल्कुल नहीं। उन्होंने आगे कहा कि मैं हर उस देशभक्त भारतीय से अपील करता हूँ जो मानता है कि हमारे छात्रों को न्याय मिलना चाहिए- प्रधानमंत्री आवास के सामने हमारे धरने में शामिल हों। भारत के छात्रों की आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इससे पहले इस मार्च को लेकर राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर पोस्ट कर लिखा, “सोमवार को युवा छात्रों के साथ हुई बर्बरता के बारे में जवाब मांगने के लिए हम प्रधानमंत्री के घर तक मार्च कर रहे हैं।

कोलकाता में फिर इसने लगा कोरोना, अस्पताल में भर्ती हुए 4 मरीज

कोलकाता (एजेंसी)

कोविड-19 से संक्रमित तीन मरीजों को कोलकाता के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले, कोविड से संक्रमित 10 साल के एक लड़के को भर्ती कराना पड़ा था। कोरोना वायरस से संक्रमित अब तक चार लोगों का इलाज जारी है। अस्पताल के



डॉ. सुभजीत सेन ने कहा, “अभी हम मौसमी वायरल इन्फेक्शन खासकर इन्फ्लूएंजा और कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी देख रहे हैं। फिलहाल, हम एसएआरएस-सीओवी-2 इन्फेक्शन वाले तीन मरीजों का इलाज कर रहे हैं। एक मरीज ठीक हो गया है और उसे डिस्चार्ज किया जा रहा है, जबकि दो मरीजों को ऑक्सीजन लेवल कम होने के कारण आईसीयू में भर्ती करना पड़ा था, लेकिन इलाज का उन पर अच्छा असर हुआ है और अब उनकी हालत स्थिर है।” डॉक्टर के अनुसार, कोविड-19 का मौजूदा पैटर्न ओमिक्रॉन लहर जैसा ही है, जिसमें ज्यादातर मरीजों में ऊपरी श्वसन तंत्र से जुड़े हल्के लक्षण जैसे बुखार, गले में खराश, खांसी और शरीर में दर्द दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, बुजुर्गों और पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे लोगों को गंभीर बीमारी का ज्यादा खतरा रहता है। डॉक्टर ने कहा, “घबराने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि समय पर मेडिकल देखभाल मिलने से ज्यादातर मरीज ठीक हो जाते हैं। हालांकि, लोगों को समझदारी से सावधानी बरतनी चाहिए, जैसे भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनना, हाथों की साफ-सफाई का ध्यान रखना, वायरस फैलने के दौरान गैर-जरूरी भीड़-भाड़ से बचना और लक्षण बिगड़ने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना। अभी डरने की नहीं, बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है।” बता दें कि 18 जुलाई को कोलकाता के गारिया के रहने वाले 10 साल के एक लड़के को बुखार, खांसी और सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षणों के साथ एक दूसरे प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। शक होने पर डॉक्टरों ने स्वेब टेस्ट किया, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई।

हरिद्वार के पथरेश्वर महादेव मंदिर में दो साधुओं की हत्या, जंगल में दबे मिले शव मुख्य पुजारी सदेह के घेरे में

हरिद्वार (एजेंसी) शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के लक्सर क्षेत्र भेज दिया है और मामले की विन्यूत जांच



स्थित पथरी थाना अंतर्गत पथरेश्वर महादेव मंदिर में दो साधुओं की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। दोनों के शव मंदिर के समीप जंगल में गड्ढा खोदकर दबाए हुए मिले। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने

जांच के दौरान मंदिर के पास जंगल में एक संदिग्ध स्थान की खुदाई कराई गई, जहां से दोनों साधुओं के शव बरामद हुए। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि हत्या के बाद साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शवों को गड्ढे में दफना दिया गया। घटनास्थल से कई अहम साक्ष्य जुटाए गए हैं। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिससे मौत के कारण और समय का स्पष्ट पता चल सके। पुलिस की शुरुआती जांच में मंदिर के मुख्य पुजारी की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। घटना के बाद से वह फरार बताया जा रहा है। उसकी तलाश में पुलिस की कई टीमों संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि वारदात में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था या नहीं। एसपी देहात शेखर चंद सुयाल ने बताया कि दो साधुओं की हत्या कर शवों को गड्ढे में दबाए जाने की घटना सामने आई है। पुलिस सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा करने का दावा किया है।

दिवकरताल को मनाली की तर्ज पर पर्वतारोहण प्रशिक्षण केंद्र के रूप में किया जाएगा विकसित: नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़ (एजेंसी) हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राव नरवीर सिंह के साथ एप्पल मंडी में पौधारोपण भी किया और वन चेतना यात्रा-2026 के तहत चार एलईडी



हमारी संस्कृति में प्रकृति को ईश्वर का स्वरूप माना गया है। पर्यावरण की रक्षा हमारी संस्कृति, सभ्यता और हमारे कर्तव्यों में रचा बसा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के लिए एक पेड़ मां के नाम को राष्ट्रव्यापी अभियान से जोड़ना है। मुख्यमंत्री मंगलवार को पंचकुला के पिंजौर की एप्पल मार्केट में युवा संवाद एवं वृद्धारोपण कार्यक्रम के अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले , मुख्यमंत्री ने वन, पर्यावरण एवं वन्य जीव मंत्री

वैनस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। ये एलईडी वैन प्रत्येक जिले में जाएगी लोगों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करेगी और पर्यावरण बचाओ का संदेश देगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने थापली नेचर कैंप में भाग लेने वाले युवाओं को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, विधायक शक्ति रानी भी मौजूद रहे। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री तीर्थ योजना के तहत

एक हजार युवाओं को शामिल करने की घोषणा की। इसके अलावा युवाओं की समस्याओं की सुनवाई के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेष अधिकारी की नियुक्ति करने तथा मोरनी में टिक्करताल का मनाली की तर्ज पर इसका आधारभूत संरचना सुदृढीकरण करने का आश्वासन दिया। उन्होंने पिंजौर सेब मंडी में विजली आपूर्ति के लिए अलग से सब स्टेशन तथा हिमाचल प्रदेश की ओर से सेब लाने वाले वाहनों की पार्किंग व अतिरिक्त पुलिस सुरक्षा सुझाव करवाने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पौधा लगाना आसान है, लेकिन उसे वृक्ष बनाना बड़ी जिम्मेदारी है। जिस दिन हर युवा अपने जन्मदिन, अपने माता-पिता के जन्मदिन या किसी विशेष अवसर पर एक पौधा लगाकर, उसकी देखभाल करने का संकल्प ले लेगा, उस दिन हरियाणा प्रदेश हरा भरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के कथन अनुसार जितना सम्मान हम अपनी जन्म देने वाली मां को देते हैं, उतना ही सम्मान हमें हमारा पालन पोषण करने वाली धरती मां को भी देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए इस अभियान को और गति देनी होगी। हम सब जीवनदायिनी धरती मां के लिए एक पेड़ जरूर लगाएंगे तथा दूसरों को भी प्रेरित करेंगे।

धोखा देने वालों व गद्दारों के समर्थन की जरूरत नहीं: ममता बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी) बिड़ला तारामंडल इलाके में आज आयोजित तुषमूल कांग्रेस की ‘शहीद दिवस’ रैली को संबोधित करते हुए बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि “जो लोग हमें धोखा देने वालों व गद्दारों का समर्थन करने की कोई जरूरत नहीं है। ममता बनर्जी ने दल छोड़कर जाने वाले नेताओं पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि “सभी चोर चले गए, इससे हम बच गए।” ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का भय दिखाकर लोगों को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भय दिखाकर कुछ लोगों को कुछ समय के लिए चुप कराया जा सकता है, लेकिन सच्चाई को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। दिल्ली में चल रहे छात्र आंदोलन पर ममता बनर्जी ने कहा कि, जरूरत पड़ते पर वह खुद ‘कॉकरोच जनता पार्टी’ के आंदोलन में शामिल होंगी। उन्होंने कहा, अगर जरूरत पड़ी, तो मैं खुद ‘कॉकरोच जनता पार्टी’ के कार्यक्रमों में जाऊंगी। हमने शुरू से ही उनका समर्थन किया है।” कृतव्रत खेमे पर निशाना साधते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने उसे भारतीय जनता पार्टी की “बी टीम” बताया।



उन्होंने दावा किया कि यह समूह भी शीघ्र ही टूट जाएगा। इस दौरान ममता ने कहा, “क्षमा करें, अब आपकी आवश्यकता नहीं है। आप धन, मान और प्राण से अच्छे रहें।” ममता बनर्जी ने बिना नाम लिए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पर हमला बोला। इस संदर्भ में उन्होंने कहा, “अगर अगर अपना मुंह खोलेंगे कि आपने 10 साल तक जमीनी स्तर पर क्या किया है, तो मैं मुखांडा खोल दूंगी। ममता ने कहा, मैं फिर से जिले-जिले जाऊंगी, मैं देखना चाहती हूँ कि वहां रोकने की कितनी क्षमता है। ममता ने दावा किया कि बीजेपी उन्हें मंगलवार सुबह भी घर से निकलने से रोकना चाहती थी।

उत्तर कोरिया की विदेश मंत्री ने रुसी समकक्ष के साथ रणनीतिक संवाद किया, पुतिन से भी की मुलाकात

सोल (एजेंसी)

उत्तर कोरिया की विदेश मंत्री चो ए सोन-हुई ने मास्को में अपने रुसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से मुलाकात कर दोनों देशों के बीच सहयोग को तेज करने पर सहमति जताई। यह जानकारी मंगलवार को उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए ने दी। योनहाप न्यूज एजेंसी ने केसीएनए की ओर से जारी किए गए संयुक्त बयान के हवाले से बताया, दोनों विदेश मंत्रियों के बीच सोमवार को "तीसरा रणनीतिक संवाद आयोजित किया गया। बयान में कहा गया कि वार्ता का मुख्य केंद्र दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी संधि के क्रियान्वयन, उच्च-स्तरीय यात्राओं , बहुआयामी सहयोग की योजनाओं और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर कूटनीतिक समन्वय रहा। दोनों पक्षों ने चर्चा में उठाए गए सभी मुद्दों पर सहमति व्यक्त की।दोनों देशों ने बदलते वैश्विक हालात की परवाह किए बिना, शीर्ष नेतृत्व के रणनीतिक मार्गदर्शन में द्विपक्षीय संबंधों के दीर्घकालिक और बहुआयामी विकास को तेज करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

उत्तर कोरिया और रूस के संबंध जून 2024 में



उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पु तिन द्वारा व्यापक रणनीतिक साझेदारी संधि पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद लगातार मजबूत हुए हैं।संयुक्त बयान में इस बैठक को दोनों देशों के संबंधों के व्यापक विस्तार और विकास को गति देने तथा रणनीतिक साझेदारी संधि की भावना के अनुरूप क्षेत्रीय और वैश्विक शांति एवं सुरक्षा में सकारात्मक योगदान देने वाला महत्वपूर्ण अवसर बताया गया।रूस ने उत्तर कोरिया की संप्रभुता की रक्षा के प्रयासों के प्रति अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया और कथित "शत्रुतापूर्ण खतरों का सामना करने में उसके साथ खड़े रहने की बात कही।वहीं, उत्तर कोरिया ने रूस की उन सभी आंतरिक और बाहरी नीतियों के प्रति अपना अटल समर्थन दोहराया, जिनका उद्देश्य उसके अनुसार यूक्रेन विवाद के मूल कारणों को समाप्त करना और साम्राज्यवादी वर्चस्ववादी प्रयासों से अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अंतरराष्ट्रीय न्याय की रक्षा करना है।केसीएनए की एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, चोए सोन-हुई शुक्रवार को लावरोव के निमंत्रण पर मास्को पहुंची थीं और रविवार को क्रेमलिन में

ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान में 100 अमेरिकी सैनिक घायल: पेंटागन प्रवक्ता

वाशिंगटन (एजेंसी)

वाशिंगटन । अमेरिकी रक्षा विभाग(पेंटागन) ने ईरान के जवाबी हमलों में अपने 100सैनिकों के घायल होने की बात स्वीकार की है। पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने एक्स पर कहा, 'ये सैनिक 7 जुलाई के बाद हुए हमलों में घायल हुए। इनमें से 96फीसदी सैनिक ठीक होकर ड्यूटी पर लौट चुकेहैं।"उन्होंने बताया कि ज्यादातर को हल्की सिर की चोट (कंकशन) लगी थी। पार्नेल ने यह बयान न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट को शेयर करते हुए दिया,

जिसमें दावा किया गया था कि "रक्षा मंत्रालय ईरान के साथ युद्ध में घायल हुए अमेरिकी सैनिकों की जानकारी सार्वजनिक नहीं कर रहा है।इसके साथ ही पार्नेल ने दावा किया कि घायलों से संबंधित आगे की जानकारी डिफेंस कैबुअल्टी एनालिसिस सिस्टम (डीसीएएस)पर जारी की जाएगी।इस बीच, अमेरिकी सेना में मृतकों की संख्या बढ़कर 17हो गई है। हाल के दिनों में तीन सैनिकों की मौत हुई है।पेंटागन के अनुसार, शुक्रवार को जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों पर हुए एक ईरानी हमले में दो सैनिक मारे गए। उनकी पहचान सोमवार को सार्वजनिक की गई। फर्स्ट लेफ्टिनेंट टायलर फीहान की शुक्रवार को कार्रवाई के दौरान मौत हुई, जबकि प्राइवेट इसाबेला गोंजालेस शनिवार को मुवाफ्फाक सल्टी एयर बेस पर ईरानी हमले में मारी गई।



पाकिस्तान सरकार ने डीजल की कीमत में की 5.71 रुपये की बढ़ोतरी, पेट्रोल की कीमत में 35पैसे की गिरावट



इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान की केंद्र सरकार ने मंगलवार को एक दिन के लिए हाई-स्पीड डीजल की कीमत में 5.71 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इसके साथ ही सरकार ने पेट्रोल की कीमत में 35पैसे प्रति लीटर की कमी का ऐलान किया। पाकिस्तान के अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार के फैसले के बाद एचएसडी की कीमत 360.0 6 पीकेआर (पाकिस्तानी रुपए) प्रति लीटर हो गई, जबकि पेट्रोल की कीमत पीकेआर 315.8 प्रति लीटर है। पाकिस्तान सरकार ने फैसला किया है कि पश्चिम एशिया में नए तनाव के बाद अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण फ्यूल की कीमतें रोजाना तय की जाएंगी। पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा ला गू की गई रोजाना की कीमतें, इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के हिसाब से ग्लोबल मार्केट की कीमतों के सात-दिन के हफ्ते के औसत पर आधारित हैं। ऑयल एंड गैस रेगुलेटरी अथॉरिटी अपनी वेबसाइट पर हर दिन पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की कीमतें अपडेट करेगी ताकि पारदर्शिता रहे और अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर कंज्यूमर्स तक पहुंचे। पिछले हफ्ते, इस्लामाबाद और रावलपिंडी में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के कि राए और माल हुलाई के चार्ज बढ़ा दिए गए थे और पाकिस्तान की केंद्र सरकार की फ्यूल की कीमतों में बार-बार बदलाव की पॉलिसी के बाद पेट्रोल पंप ऑपरेटरों ने देश भर में हड़ताल की धमकी दी थी।

पाकिस्तान सरकार के 17 जुलाई को पेट्रोल डीजल की कीमतें बढ़ाने के बाद, रावलपिंडी और इस्लामाबाद में ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों ने तुरंत असर से किराए में बदलाव किया। पब्लिक ट्रांसपोर्ट के किराए में 15से 17फीसदी की बढ़ोतरी की गई, जबकि गुड्स ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों ने माल हुलाई के चार्ज में 20फीसदी की बढ़ोतरी की। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने कहा है कि जब भी फ्यूल की कीमतें बढ़ेंगी, तो किराए में भी बदलाव किया जाएगा।

ऑफिस में काम करने वालों और स्टूडेंट्स के लिए पिक एंड ड्रॉप सर्विस ने घोषणा की है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव के हिसाब से उनके चार्ज बदल जाएंगे। रावलपिंडी और इस्लामाबाद में पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर कम से कम स्टॉप-टू-स्टॉप किराया बढ़ाकर पीकेआर 60 कर दिया गया है।लंबी दूरी के ट्रांसपोर्टरों ने अपने टैरिफ बढ़ा दिए हैं, कराची और पेशावर के बीच कंटेनर , ट्रेलर और व्हीलर ट्रांसपोर्ट का फ्रेट चार्ज कथित तौर पर बढ़कर 800.000पीकेआर हो गया है।ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों के अनुसार, रावलपिंडी जिले में इंटरसिटी किराए में 15फीसदी की बढ़ोतरी की गई है, इंटर-डिस्ट्रिक्ट रूट पर किराए में 17 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है, जबकि रावलपिंडी और इस्लामाबाद के बीच चलने वाली सेवाओं में किराए में 20फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। लंबी दूरी के ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों ने किराए में 17फीसदी की बढ़ोतरी की है।

अमेरिकी सांसद की मांग, रद्द हो चीनी छात्रों का एफ-1और जे-1वीजा

वाशिंगटन (एजेंसी)

वाशिंगटन । अमेरिका की रिपब्लिकन सांसद एना पॉलिना लूना ने चीनी छात्रों के वीजा को तत्काल निलंबित या रद्द करने की मांग उठाई है। उन्होंने विदेश मंत्री मार्को रूबियो को पत्र लिखकर देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ रहे चीनी नागरिकों के सभी



एफ-1 और जे-1छात्र वीजा तत्काल निलंबित और रद्द करने की मांग की है। उन्होंने हाल ही में सार्वजनिक किए गए खुफिया दस्तावेजों का हवाला देते हुए दावा किया कि इनमें चीनी कम्युनिस्ट पार्टी(सीसीपी) द्वारा अमेरिकी चुनावों में हस्तक्षेप के प्रयासों का उल्लेख है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर अमेरिका के चुनावों को प्रभावित करने के लिए व्यापक अभियान चलाने का आरोप लगाया था। ट्रंप का दावा है कि वीजिंग ने उनके राष्ट्रपति कार्यकाल को कमजोर करने, लाखों अमेरिकी मतदाताओं का डेटा हासिल करने और अपनी गतिविधियों को अमेरिकी खुफिया तंत्र के भीतर छिपाने की कोशिश की।

विदेश मंत्री को संबोधित अपने पत्र में लूना ने लिखा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में राष्ट्र के नाम संबोधन में ऐसे दस्तावेज सार्वजनिक किए हैं, जिनके अनुसार वर्ष 2020के चुनावों से पहले चीनी सरकार ने अमेरिकी चुनावी आंकड़ों को निशाना बनाते हुए इतिहास के सबसे बड़े साइबर जासूसी अभियानों में से एक को अंजाम दिया।पत्र के अनुसार, इन कथित साइबर हमलों में मतदाताओं के नाम, पते, फोन नंबर, राजनीतिक संबद्धता और पंजीकरण संबंधी अन्य जानकारी चुराई गई। लूना ने कहा कि ये खुलासे बेहद गंभीर हैं और विदेश मंत्रालय सहित सभी संबंधित एजेंसियों को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिकी विश्वविद्यालय लंबे समय से विदेशी खुफिया एजेंसियों के लिए संवेदनशील प्रवेश बिंदु रहे हैं। उनका तर्क है कि सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों में जिन स्तर के हस्तक्षेप का उल्लेख किया गया है, उसे देखते हुए अमेरिका अब मौजूदा छात्र वीजा व्यवस्था को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के संभावित प्रभाव अभियान का माध्यम बनने की अनुमति नहीं दे सकता।

अमेरिका और कनाडा के बीच फिर बढ़ा तनाव, ट्रंप ने 50 फीसदी टैरिफ लागू करने का किया ऐलान

वाशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा

किए, जिनके तहत चयनित कनाडाई आयात पर 50 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाने का



के सैकड़ों उत्पादों पर 50 फीसदी का अतिरिक्त शुल्क लगा दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ओटावा पर ऑटोमोबाइल, मादक पेय और दुग्ध उत्पाद के अमेरिकी निर्यात के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया है। ट्रंप के इस फैसले की वजह से उत्तरी अमेरिका में दोनों पड़ोसियों के बीच व्यापारिक तनाव और बढ़ गए हैं। 1930के टैरिफ एक्ट की धारा 338 का इस्तेमाल करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तीन अलग-अलग घोषणाओं पर हस्ताक्षर

फैसला किया गया। व्हाइट हाउस ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य कनाडा द्वारा अमेरिकी व्यापार के साथ किए जा रहे कथित भेदभाव से अमेरिकी कारोबार पर पड़ने वाले नुकसान की भरपाई करना और विशेष रूप से कारों, शराब और डेयरी उत्पादों के निर्यात के लिए अमेरिकी कंपनियों को समान प्रतिस्पर्धा वाले अवसर उपलब्ध कराना है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, ये नए टैरिफ हस्ताक्षर के 30 दिन बाद लागू होंगे और

अमेरिका , मैक्सिको और कनाडा समझौते (यूएसएमसीए) के तहत मिलने वाली किसी भी रियायती व्यवस्था से अलग होकर लागू किए जाएंगे।

हालांकि, ऊर्जा, पोटाश, सेक्शन 232के तहत पहले से शुल्क वाले उत्पाद, मछली, महत्वपूर्ण खनिज और कुछ अन्य निर्दिष्ट वस्तुओं को इन नए शुल्कों से बाहर रखा गया है।

प्रशासन ने बताया कि यह शुल्क कनाडा से आने वाले कई प्रकार के उत्पादों पर लागू होगा। इनमें वाइन, हॉकी स्टिक और सीमेंट से लेकर विभिन्न उपभोक्ता वस्तुएं शामिल हैं। इसके साथ जारी परिशिष्टों में सैकड़ों टैरिफ कैटेगरी को सूचीबद्ध किया गया है, जिन पर अतिरिक्त 50फीसदी आयात शुल्क लगाया जाएगा।व्हाइट हाउस का आरोप है कि कनाडा लंबे समय से ऐसी व्यापारिक नीतियों अपनाता रहा है, जो अमेरिकी निर्यातकों के साथ भेदभाव करती हैं, जबकि अन्य व्यापारिक साझेदारों को अधिक अनुकूल व्यवहार दिया जाता है।

व्हाइट हाउस के अनुसार, कनाडा ने अमेरिकी मोटर वाहनों पर ऐसे शुल्क और आयात कोटा प्रतिबंध लगाए, जो अन्य देशों से आने वाले वाहनों पर लागू नहीं होते। साथ ही, कोटा प्रणाली को इस तरह संचालित किया गया कि अमेरिकी वाहन निर्माता अमेरिका में उत्पादक बढ़ाने के बजाय कनाडा में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित हों।

हूतियों की नई धमकी: सऊदी बंदरगाहों से कारोबार करने वाले जहाज बन सकते हैं निशाना

सना (एजेंसी)

यमन के हूती विद्रोहियों ने अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनियों को चेतावनी दी है कि जो

लिए नहीं है, बल्कि उन सभी जहाजों पर भी लागू होगी जो सऊदी बंदरगाहों पर सामान लादते या उतारते हैं। इटली की



जहाज सऊदी अरब के बंदरगाहों के साथ कारोबार करेंगे, वे सैन्य कार्रवाई के निशाना बन सकते हैं। यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब हूतियों ने सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी का ऐलान किया है, जिसे हालात में एक नए तनाव के रूप में देखा जा रहा है। यमन की राजधानी सना में मौजूद हूती समूह के 'ह्यूमैनिटेरियन ऑपरेशंस कोऑर्डिनेशन सेंटर' की ओर से भेजे गए एक ईमेल में कहा गया है कि यह चेतावनी सिर्फ सऊदी झंडे वाले जहाजों के

समाचार एजेंसी एडनक्रोनोस की जानकारी के अनुसार, ईमेल में शिपिंग कंपनियों से कहा गया है कि वे सऊदी बंदरगाहों से जुड़े किसी भी सफर की योजना बनाते समय पूरी सावधानी बरतें। चेतावनी दी गई है कि ऐसे कारोबारी कामों में शामिल जहाज हूतियों की मारक क्षमता के दायरे में आने पर हमले का निशाना बन सकते हैं।यह चेतावनी हूतियों की ओर से सऊदी जहाजों के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद आई। कुवैत और कतर

समेत कई क्षेत्रीय देशों ने हूतियों के इस कदम को खारिज किया और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत समुद्री आवाजाही की आजादी का समर्थन दोहराया। फिलहाल, इन नए ऐलानों के बाद किसी भी कारोबारी जहाज पर हमले की खबर सामने नहीं आई है।यह घटनाक्रम हूतियों और सऊदी अरब के बीच फिर से बढ़ते तनाव के बीच सामने आया है। इसकी वजह हूतियों के नियंत्रण वाले सना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का विवाद बताया जा रहा है। 13 जुलाई को सऊदी समर्थित यमनी सरकार ने कहा था कि उसने सना हवाई अड्डे के रनवे पर हमला किया ताकि ईरान से लौट रहा एक विमान वहां उतर न सके। बताया गया कि उस विमान में हूती नेताओं का एक अहम प्रतिनिधिमेंडल था, जो ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के निधन पर आयोजित अंतिम संस्कार से वापस आ रहा था।हूतियों ने इस हमले का जिम्मेदार सऊदी सरकार को ठहराया और इसके जवाब में मिसाइलों और ड्रोन से सऊदी अरब की ओर हमले किए। इससे पहले भी हूती, गाजा युद्ध के दौरान इजराइल और अमेरिका से जुड़े होने का आरोप लगाकर कई जहाजों पर मिसाइल, ड्रोन और समुद्री हथियारों से हमले कर चुके हैं। इन हमलों की वजह से कई शिपिंग कंपनियों को लाल सागर का रास्ता छोड़कर दूसरे रास्तों से जहाजा भेजने पड़े, जबकि लाल सागर दुनिया के व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद अहम समुद्री मार्ग है।

अपशिष्ट प्रबंधन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, नियमों की अनदेखी पर होगी सख्त कार्रवाई:उपायुक्त नेहा सिंह

चंडीगढ़ (एजेंसी) सोनीपत, 21जुलाई। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि जिले में अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को पूरी गंभीरता के साथ लागू किया जाए। अपशिष्ट के संग्रहण, परिवहन, डंपिंग एवं प्रोसेसिंग में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। यदि किसी अधिकारी व ठेकेदार द्वारा नियमों की अनदेखी की गई तो उसके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मंगलवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार कक्ष में उपायुक्त नेहा सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन समिति(डीएससीआईडब्ल्यूएम) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भोपाल नगर निगम बनाम डॉ. सुभाष चंद्र पांडे एवं अन्य मामले में दिए गए निर्देशों तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला में अपशिष्ट डंपिंग साइट एवं प्रोसेसिंग कार्य का ठेकेदारों के साथ नियमित रूप से निरीक्षण किया जाए तथा सभी कार्य निर्धारित मानकों एवं नियमों के अनुरूप सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी स्कूलों, लघु सचिवालय, में चार प्रकार के डस्टबिन जिसमें गीले कचरे, सूखे कचरे, सैनिटरी कचरे तथा खतरनाक/विशेष कचरे शामिल हैं, अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराए जाएं।

बैठक में औद्योगिक, जैव-चिकित्सा, निर्माण एवं विध्वंस, वागवानी, कृषि अवशेष, गोबर तथा प्लास्टिक अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन की समीक्षा भी की गई। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को अपने-अपने दायित्वों का प्रभावी निर्वहन करने तथा नियमित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कुडली नगर पालिका क्षेत्र में घर-घर से एकत्र किए जा रहे अपशिष्ट की डंपिंग साइट एवं प्रोसेसिंग कार्य की जांच के लिए एसडीएम सुभाष चंद्र की अध्यक्षता में समिति गठित करते हुए शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी एमसी केन्द्रीय पोर्टल पर अपना तथा संबंधित ठेकेदारों का पंजीकरण अनिवार्य रूप से करवाएं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि पंचायत की भूमि पर किसी भी ठेकेदार द्वारा कचरा न डाला जाए। इसके लिए



संबंधित ग्राम पंचायतों में सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा ग्राम स्तर पर अपशिष्ट प्रबंधन निगरानी समितियों का गठन करने के निर्देश भी दिए गए।

उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि निजी अस्पतालों के साथ बैठक कर जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के सुरक्षित निस्तारण एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 की शत-प्रतिशत पालना सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने कहा कि अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति विद्यार्थियों एवं आमजन को जागरूक करने के लिए स्कूलों, ग्राम पंचायतों, ब्लॉक समितियों तथा शहरी क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों

कुएं में गिरे बछड़े को बचाने गए 4 लोगों की मौत, जहरीली गैस की चपेट में आने से हुआ हादसा



घटने के कारण मौत हो गई। इस घटना से पूरे गांव में मातम छा गया। मृतकों की पहचान 41वर्षीय दलवीर और नरेंद्र, 37वर्षीय मोनू तथा एक प्रवासी मजदूर रामे के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि कुएं में बछड़ा गिर गया था। उसे निकालने के लिए एक-एक कर चारों लोग कुएं में उतरे, लेकिन अंदर मौजूद जहरीली गैस के कारण सभी बेहोश हो गए और बाहर नहीं निकल सके। दरअसल, झज्जर जिले में एक बछड़े को बचाने के लिए बंद पड़े कुएं में उतरे चार लोगों की मौत हो गई है। पुलिस को शक है कि जहरीली गैस की वजह से उनकी मौत हुई। घटना रविवार शाम सुनीमपुर गांव में हुई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। करीब तीन घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद चारों को कुएं से बाहर निकालकर एंबुलेंस के माध्यम से नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कुएं में भयंकर जहरीली गैस भरी हुई थी, जिसके कारण यह हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री भी मौके पर पहुंचीं और पूरे घटनाक्रम का जायजा लिया।

बहन की शादी के कपड़े लेने निकली, स्कूटी समेत गायब, अगले दिन नहर में मिला अर्धनग्न शव,करनाल में लेब टेक्नीशियन की रहस्यमयी मौत

चंडीगढ़ (संवाददाता) हरियाणा के करनाल में पश्चिमी यमुना नहर से मिले एक युवती के शव ने पूरे इलाके को



झकझोर कर रख दिया है। रविवार को नहर में अर्धनग्न अवस्था में एक युवती का शव तैरता हुआ दिखाई दिया था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, शव को बाहर निकालकर कब्जे में लिया और पहचान के लिए कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में रखवा दिया। सोमवार को शव की पहचान 21वर्षीय मीनाक्षी के रूप में हुई, जो करनाल के गांव झींझड़ी की रहने वाली थी। मीनाक्षी लेब टेक्नीशियन का कोर्स कर रही थी और सरकारी अस्पताल में ट्रेनिंग ले रही थी।

घर से स्कूटी पर निकली, वापस नहीं लौटी परिजनों के अनुसार, 12जुलाई को मीनाक्षी की बड़ी बहन की शादी हुई थी और वह इन

शव मिला, लेकिन कई सवाल छोड़ गया अगले ही दिन पश्चिमी यमुना नहर में मीनाक्षी का शव मिला। परिजनों का कहना है कि जब शव बरामद हुआ तो उसके शरीर पर शर्ट नहीं थी और उसकी स्कूटी भी अब तक नहीं मिली है। ऐसे में यह मामला केवल एक हादसा है या इसके पीछे कोई आपराधिक घटना छिपी है, इसे लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। परिजनों ने आशंका जताई है कि मीनाक्षी के साथ कोई गंभीर अनहोनी हुई है और पूरे मामले की निष्पक्ष व गहन जांच होनी चाहिए।

पुलिस ने क्या कहा

सदर थाना के जांच अधिकारी मनजीत ने बताया कि रविवार को पश्चिमी यमुना नहर में एक अज्ञात युवती का शव अर्धनग्न अवस्था में मिला था। शव को कब्जे में लेकर पहचान के लिए मोर्चरी में रखा गया। सोमवार को पहचान होने के बाद पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। युवती की स्कूटी की तलाश की जा रही है और मौत के कारणों सहित हर संभावित पहलू को ध्यान में रखकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि हाल ही करनाल में 10वीं के स्टूडेंट की दिनदहाड़े हत्या का मामला सामने आया था। 16 वर्षीय छात्र प्रतीक मंगलवार का प्रसाद लेने बाइक पर बाजार के लिए निकला था। वापस घर लौटते समय रास्ते में बाइक सवार 4-5युवकों ने उस पर हमला कर दिया था।

दिनों मायके आई हुई थी। रविवार को रिश्तेदारों के घर आने का कार्यक्रम था। इसी सिलसिले में मीनाक्षी अपनी बहन के कपड़े लेने के लिए स्कूटी पर घर से निकली थी। उसने उस समय शर्ट पहन रखी थी और सीएचडी सिटी की ओर गई थी, लेकिन देर शाम तक भी वापस नहीं लौटी। काफी तलाश के बाद परिजनों ने सदर थाना पुलिस में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई।

मृतका की फाइल फोटो।

मृतका की फाइल फोटो।

मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशन 31जुलाई को ईईआरओ पूरी पारदर्शिता एवं समयबद्ध तरीके से करें कार्य: एडीसी अजय चोपड़ा

चंडीगढ़ (एजेंसी) गोहाना विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक पंजीयन अधिकारी एवं अतिरिक्त उपायुक्त अजय चोपड़ा ने मंगलवार को अपने कार्यालय में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की प्रगति की समीक्षा के लिए नियुक्त 21 सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारियों(ईईआरओ)के साथ बैठक की। बैठक में एसआईआर अभियान के आगामी चरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्वाचन आयोग के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए।



अतिरिक्त उपायुक्त अजय चोपड़ा ने कहा कि वीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं से गणना प्रपत्र प्राप्त करने तथा उन्हें डिजिटल माध्यम से अपलोड करने का कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है। अब निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 31 जुलाई को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशन किया जाएगा। इसके बाद प्राप्त आंकड़ों के सत्यापन के दौरान जिन मतदाताओं के नाम, पते अथवा अन्य विवरणों का मिलान नहीं होगा, उन्हें नियमानुसार नोटिस जारी किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि नोटिस प्राप्त करने के बाद संबंधित मतदाता निर्धारित समय के भीतर संबंधित सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारी (ईईआरओ) के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकेंगे। ईईआरओ सभी मामलों की निष्पक्ष एवं तथ्यात्मक जांच करेंगे तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक

प्रकरण का निस्तारण पूरी गंभीरता, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ किया जाए, ताकि जिले की मतदाता सूची पूर्णतः शुद्ध, वृद्धिरहित एवं अद्यतन तैयार की जा सके।

अजय चोपड़ा ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए शुद्ध एवं प्रमाणिक मतदाता सूची अत्यंत आवश्यक है। इसलिए प्रत्येक अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का गंभीरता से निर्वहन करते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी कार्यों को पूरा करें। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम अनावश्यक रूप से सूची से न हटे तथा अपात्र नामों की पहचान भी पूरी निष्पक्षता से की जाए।

उन्होंने बताया कि मतदाताओं की सुविधा के लिए नोटिसों के निस्तारण हेतु आठ स्थान निर्धारित किए गए हैं, जहां संबंधित ईईआरओ निर्धारित समय पर उपस्थित

रहकर नोटिस प्राप्त करेंगे तथा आवश्यक कार्रवाई करेंगे। इनमें वीडीपीओ कार्यालय गोहाना, वीईओ कार्यालय गोहाना, राजकीय कन्या महाविद्यालय गोहाना, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बड़वासनी, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बारोटा, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां, गुरुकुल स्कूल, खानपुर कलां तथा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बिधल शामिल हैं।

बैठक में एसआईआर अभियान से जुड़े विभिन्न विंद्ओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा अधिकारियों को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार सभी प्रक्रियाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिषद चेयरपर्सन मोनिका दहिया व संयुक्त आयुक्त नगर निगम मीतू धनखड़ भी मौजूद रही।

दिल्ली मार्च की तैयारी:शंभू वार्डर पर जुटने लगे भारी संख्या में किसान, पंजाब-हरियाणा सीमा पर सुरक्षा सख्त



चंडीगढ़ (संवाददाता) पटियाला/अंबाला। प्रस्तावित दिल्ली मार्च के आह्वान के मद्देनजर पंजाब और हरियाणा की शंभू सीमा(Shambhu Border) पर एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। सोमवार को पंजाब के पटियाला जिले से सामने आए वीडियो और तस्वीरों में भारी संख्या में किसानों को अपने ट्रैक्टर-ट्राली और वाहनों के साथ शंभू बॉर्डर की ओर बढ़ते हुए देखा जा सकता है। किसानों के इस जमावड़े को देखते हुए अंतरराज्यीय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है। सीमाओं पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किसानों के शंभू बॉर्डर पर पहुंचने की खबरों के बीच हरियाणा पुलिस और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों (Paramilitary Forces) ने सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है।

बैरिकेड्स, कंटीले तार और लोहे की कीलें लगाकर पुलिस ने सीमा को सील करने के कड़े इंतजाम किए हैं।ड्रोन से निगरानी: किसी भी तरह की अग्रिय स्थिति से निपटने और स्थिति का जायजा लेने के लिए ड्रोन कैमरों के माध्यम से पूरे सीमावर्ती इलाके पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही है।यातायात प्रभावित: राष्ट्रीय राजमार्ग(NH-44) पर पुलिस बैरिकेडिंग और डायवर्जन के चलते पंजाब और हरियाणा के बीच आने-जाने वाले यात्रियों और वाणिज्यिक वाहनों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।किसान संगठनों का कहना है कि वे अपनी विभिन्न लंबित मांगों(जैसे न्यूनतम समर्थन मूल्य-MSP की कानूनी गारंटी) को लेकर केंद्र सरकार तक अपनी बात पहुंचाने के लिए दिल्ली की ओर मार्च कर रहे हैं।

सोलर पैनल फाइलों की मंजूरी के नाम पर 5 हजार रुपये की रिश्तत लेते यूएचबीवीएन का एलडीसी रंगे हाथ गिरफ्तार

चंडीगढ़ (संवाददाता) हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (SV&ACB) की अंबाला इकाई ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए यूएचबीवीएन, सीवन(कैथल) में कार्यरत एलडीसी



संदीप कुमार को 5,000 रुपये की रिश्तत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इस संबंध में ब्यूरो थाना, एसबी एंड एसीबी, अंबाला में आरोपी के विरुद्ध एफआईआर संख्या 13 दिनांक 21.07.2026के तहत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। क्या था मामला- शिकायतकर्ता, जो उज्ज्वल भारत सोलर पावर फर्म के प्रोपराइटर हैं, ने शिकायत दी थी कि आरोपी एलडीसी ने उनके दो ग्राहकों के सोलर पैनलों की स्थापना के बाद संबंधित फाइलों को मंजूरी देने तथा बिजली मीटर अवैधित करने के एवज में 5,000 रुपये की अवैध रिश्तत की मांग की थी। शिकायत के सत्यापन के उपरांत एसबी एंड एसीबी, अंबाला की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई की। इस दौरान आरोपी संदीप कुमार को राजपत्रित अधिकारी तथा शैडो गवाह की उपस्थिति में 5,000 रुपये की रिश्तत स्वीकार करते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। इस कार्रवाई के दौरान भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) 2023की धारा 105के प्रावधानों का विधिवत पालन किया गया। मामले की जांच जारी है।

संगठन की मजबूती ही भाजपा को सत्ता से बाहर करने की सबसे बड़ी ताकत, कार्यकर्ता जन-जन तक कांग्रेस की विचार धारा पहुंचाएं: संजयदत्त



यमुनानगर (संवाददाता) हरियाणा में पार्टी मामलों के प्रभारी संजय दत्त तथा हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने सोमवार को यमुनानगर जिले के जगाधरी, साढ़ौरा और रादौर विधानसभा क्षेत्रों के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ संवाद बैठक की। इसके पश्चात यमुनानगर ग्रामीण जि ला कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। इन सभी बैठकों का आयोजन जगाधरी स्थित मारवाडी धर्मशाला में हुआ। बैठकों को संबोधित करते हुए संजय दत्त ने कहा कि कांग्रेस का सबसे बड़ा आधार उसका समर्पित कार्यकर्ता है। यदि प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी जिम्मेदारी और सक्रियता के साथ संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करेगा तो प्रदेश में परिवर्तन का मार्ग और अधिक सशक्त होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों, विचारधारा और जनहित के मुद्दों को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं

को विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के प्रति पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए और कहा कि प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रहे तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पर तत्काल संगठन को अवगत कराया जाए। साथ ही छात्रों की गुंज अभियान के माध्यम से युवाओं और छात्रों के मुद्दों को मजबूती से उठाने का आह्वान करते हुए कहा कि कांग्रेस शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया और युवाओं के अधिकारों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ रही है।हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों ने प्रदेश के किसान, युवा, कर्मचारी, व्यापारी और आम नागरिक सभी को परेशान किया है। कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता सरकार की विफलताओं को जनता के बीच लेकर जाए और जनसमस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष को और तेज करे।

अब एलपीजी की होगी छुट्टी और एथेनाल पर बनेगा खाना, सरकार ला रही सब्सिडी स्कीम

नई दिल्ली (एजेंसी) देश में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और एलपीजी पर निर्भरता कम करने की दिशा में केंद्र सरकार एक नई पहल पर विचार कर रही है। सूत्रों के अनुसार , पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ऐसी नीति तैयार कर रहा है जिसके तहत घरेलू रसोई में एथेनाल आधारित कुकिंग सिस्टम को बढ़ावा दिया जा सकता है। यदि योजना को मंजूरी मिलती है, तो आने वाले वर्षों में एथेनाल एलपीजी और पीएनजी के पूरक ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। उद्योग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि प्रस्तावित नीति में एथेनाल की उपलब्धता बढ़ाने, वितरण व्यवस्था विकसित करने और उपभोक्ताओं को इसे अपनाने के लिए प्रोत्साहन देने जैसे प्रावधान शामिल हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि सरकार इस दिशा में विभिन्न हितधारकों के साथ चर्चा कर रही है। विशेषज्ञों का मा नाना है कि एथेनाल आधारित कुकिंग सिस्टम अपनाने से देश का आयातित एलपीजी पर दबाव कम हो सकता है। साथ ही, गन्ने, मक्का और अन्य कृषि उत्पादों से बनने वाले एथेनाल के उपयोग से किसानों और



जैव-ईंधन उद्योग को भी लाभ मिलने की संभावना है। ऊर्जा क्षेत्र के जानकारों के अनुसार, भारत की एथेनाल उत्पादन क्षमता लगातार बढ़ रही है और घरेलू मांग से अधिक उत्पादन होने की स्थिति में इसका उपयोग नए क्षेत्रों में किया जा सकता है। सरकार पहले ही परिवहन क्षेत्र में एथेनाल मिश्रित ईंधन को बढ़ावा दे रही है और अब घरेलू उपयोग के विकल्पों पर भी विचार किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, तेल विपणन कंपनियां एथेनाल आधारित कुकिंग स्टोव और उससे जुड़े सुरक्षा मानकों पर परीक्षण और अनुसंधान कर रही हैं। भविष्य में यदि यह योजना लागू होती है तो पेट्रोल पंपों या अन्य अधिकृत केंद्रों के माध्यम से एथेनाल की खुदरा उपलब्धता सुनिश्चित करने की व्यवस्था भी विकसित की जा सकती है। ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से भी इस पहल को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वैश्विक बाजार में ईंधन की कीमतों और आपूर्ति में उतार-चढ़ाव को देखते हुए सरकार घरेलू स्तर पर वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग को बढ़ावा देने की रणनीति पर काम कर रही है।

EPFO पोर्टल पर अपडेट कर लें अपनी फोटो, वरना अटक सकता है PF फंड का क्लेम

नई दिल्ली (एजेंसी) अगर आप कर्मचारी भविष्य निधि संगठन(EPFO) के सदस्य हैं और भविष्य में PF का पैसा निकालने या ई-नॉमिनेशन कराने की



सोच रहे हैं तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। EPFO ने अब पोर्टल पर प्रोफाइल फोटो अपडेट करना अनिवार्य कर दिया है। यदि सदस्य ने अपनी फोटो अपलोड नहीं की है, तो PF निकासी का दावा और ई-नॉमिनेशन जैसी

जरूरी सेवाएं बीच में ही अटक सकती हैं। संगठन का कहना है कि यह कदम डिजिटल सुरक्षा और सही पहचान सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।EPFO के अधिकारियों के मुताबिक, प्रोफाइल फोटो सदस्य की डिजिटल पहचान का अहम हिस्सा है। अगर पोर्टल पर फोटो मौजूद नहीं होगी, तो ई-नॉमिनेशन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाएगी। बिना ई-नॉमिनेशन के PF क्लेम के निपटारे में दिक्कत आ सकती है और कई मामलों में भुगतान में देरी भी हो सकती है। इसलिए सभी सदस्यों को समय रहते अपनी प्रोफाइल अपडेट करने की सलाह दी गई है।EPFO ने यह भी स्पष्ट किया है कि केवल फोटो अपडेट करना पर्याप्त नहीं है। सदस्यों को आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाते की जानकारी, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी जैसी जरूरी जानकारियां भी सही और अपडेट रखनी चाहिए।

Paytm के नेट प्राफिट में 79%की बंपर व़ोतरी, 182% बढ़कर रिकार्ड 203 करोड़ रुपये पर पहुंचा EBITDA

नई दिल्ली (एजेंसी) वन97 कम्युनिकेशन्स ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के वित्तीय नतीजे जारी कर दिए हैं। डिजिटल पेमेंट और फाइनेंशियल सर्विसेज प्लेटफॉर्म पेटीएम की व़रेंट कंपनी ने बताया कि पहली तिमाही में उनका नेट प्रॉफिट 79प्रतिशत बढ़कर 220करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान कंपनी ने 203करोड़ रुपये की अब तक का सबसे ज्यादा EBITDA दर्ज किया। 182 %बढ़कर रिकॉर्ड 203 करोड़ रुपये पर पहुंचा कंपनी का EBITDA कंपनी ने सोमवार को जारी किए गए बयान में कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में उसका ऑपरेशनल रेवेन्यू सालाना आधार पर 28प्रतिशत बढ़कर 2,448करोड़ रुपये हो गया। वहीं, EBITDA 182प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 203करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस दौरान EBITDA मार्जिन बढ़कर 8प्रतिशत हो गया। कंपनी का नेट प्रॉफिट 79प्रतिशत बढ़कर 220 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शानदार नतीजों का क्रेडिट व्यापारियों और उपभोक्ता कारोबार में तेज बढ़ोतरी, EBITDA मार्जिन में विस्तार और एआई आधारित परिचालन दक्षता को दिया है। लगातार 5वीं तिमाही में बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने में सफल रही कंपनी पेटीएम का कंज्यूमर यूपीआई कारोबार लगातार 5वीं तिमाही में बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने में सफल रहा। कंज्यूमर यूपीआई ग्रॉस



ट्रांजैक्शन वैल्यू (GTV) 45प्रतिशत बढ़कर 5.9लाख करोड़ रुपये हो गया, जो इंडस्ट्री के ग्रोथ रेट का 2.2गुना है। मंथली ट्रांजैक्शन करने वाले यूजर्स की संख्या भी 60लाख की बढ़ोतरी के साथ 8करोड़ हो गई। कंपनी का कैश बैलेंस जून, 2026 के अंत तक बढ़कर 13,529 करोड़ रुपये हो गया, जिससे कारोबार के विस्तार के लिए पर्याप्त वित्तीय मजबूती उपलब्ध है। इसी बीच, वन97 कम्युनिकेशन्स के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने फिलहाल बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव पर आगे नहीं बढ़ने का फैसला किया है। कंपनी का कहना है कि वो शेयरहोल्डरों के लिए वैल्यू क्रिएशन के उद्देश्य से वृद्धि और

लाभप्रदता को और मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। ये फैसला 30 जून , 2026को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणामों के साथ लिया गया।मंगलवार को बड़ी गिरावट के साथ ट्रेड कर रहे हैं कंपनी के शेयर शानदार नतीजों के बावजूद पेटीएम के शेयरों में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। मंगलवार को दोपहर 12:25बजे, वीएसई पर पेटीएम के शेयर 2.07प्रतिशत (27.95 रुपये) की बड़ी गिरावट के साथ 1320.05 रुपये के लेवल पर ट्रेड कर रहे थे। वीएसई पर कंपनी के शेयरों का 52 वीक हाई 1,407.00रुपये और 52वीक लो 947.10 रुपये है।

क्या आपका भी फेसबुक अकाउंट हो गया है लागूआउट सर्वर डाउन होने से दुनियाभर केयूजर्स परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी) अगर आप सुबह-सुबह अपना फेसबुक अकाउंट खोलने की कोशिश कर रहे हैं और वह काम नहीं कर रहा है, तो आपको अपना फोन या इंटरनेट कनेक्शन चेक करने की जरूरत नहीं है। दरअसल, शनिवार सुबह से ही दुनिया के कई देशों में फेसबुक का सर्वर बुरी तरह से डाउन हो गया है। अचानक आई इस बड़ी तकनीकी खामी के कारण हजारों यूजर्स को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोग यह जानने के लिए एक्स(इंग) समेत अन्य प्लेटफॉर्म्स का सहारा ले रहे हैं कि आखिर मार्क जुकरबर्ग के इस सबसे लोकप्रिय सोशल मीडिया ऐप को अचानक क्या हो गया है। खुद-ब-खुद लॉगआउट हो रहे अकाउंट, ठप हुआ न्यूज फीड

19 जुलाई की सुबह से ही फेसबुक की सेवाओं में अचानक आई रुकावट ने लोगों को हैरत में डाल दिया। इस आउटेज के बाद यूजर्स को अलग-अलग तरह की तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बड़ी संख्या में लोगों की शिकायत है कि उनका फेसबुक अकाउंट अचानक अपने-आप लॉगआउट हो गया और अब लाख कोशिशों के बाद भी दोबारा लॉगिन नहीं हो पा रहा है। इसके अलावा, मोबाइल ऐप और वेबसाइट को लोड होने में भी काफी समय लग रहा है। वहीं, जिन यूजर्स का ऐप किसी तरह खुल भी रहा है, उनका 'न्यूज फीड' अपडेट नहीं हो पा रहा है, जिससे उन्हें नई



पोस्ट दिखाई नहीं दे रही हैं। एक्स पर आई शिकायतों की व़ाढ़, इंटरनेट पर मचा हड़कंप फेसबुक के ठप होते ही इंटरनेट पर अफरातफरी का माहौल बन गया। यूजर्स ने तुरंत माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स(इंग) का रुख किया ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या सिर्फ उनका अकाउंट हैक या ब्लॉक हुआ है, या फिर यह कोई वैश्विक समस्या है। देखते ही देखते एक्स पर फेसबुक डाउन से जुड़े हैशटैग ट्रेंड करने लगे। लोगों ने अपनी स्क्रीन के स्क्रीनशॉट शेयर करके परेशानियां जाहिर करना शुरू कर दिया। कुछ ही देर में इस तकनीकी गड़बड़ी की चर्चा सोशल

मीडिया पर आग की तरह फैल गई और यूजर्स एक-दूसरे से इस समस्या के बारे में सवाल पूछने लगे। दुनिया के सबसे बड़े सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म में आई इस गड़बड़ी पर फिलहाल इसकी व़रेंट कंपनी'मेटा की तरफ से कोई भी आधिकारिक बयान या स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। यह सर्वर डाउन की समस्या कितने समय तक बनी रहेगी, इसे लेकर स्थिति पूरी तरह से साफ नहीं है। ऐसे में टेक जानकारों ने सभी यूजर्स को यह सलाह दी है कि वे धैर्यपूर्ण रहें और बार-बार पासवर्ड बदलकर लॉगिन करने का प्रयास न करें।

UPI का बढ़ता दबदबा! 55 करोड़ से ज्यादा यूजर्स,314 लाख करोड़ के ट्रांजैक्शन ने तोड़े सारे पुराने रिकार्ड



नई दिल्ली (एजेंसी) भारत का डिजिटल पेमेंट सिस्टम लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। सिन्फाइंड पेमेंट्स इंटरफेस(UPI) ने वित्त वर्ष 2025-26में एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। देश में जून 2026 तक UPI से जुड़ने वाले यूजर्स की संख्या 55.49करोड़ पहुंच गई है। वहीं, पूरे वित्त वर्ष के दौरान UPI के जरिए 24,161.69 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए, जिनकी कुल वैल्यू 314.23 लाख करोड़ रुपये रही। ये आंकड़े दिखाते हैं कि भारत में डिजिटल भुगतान अब लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। वित्त मंत्रालय की ओर से लो कसभा में दी गई जानकारी के अनुसार, FY2024-25 में UPI के जरिए 18,586.60 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए थे, जिनकी कुल वैल्यू 260.56लाख करोड़ रुपये थी। इसके मुकाबले FY2025-26 में ट्रांजैक्शन की संख्या और कुल रकम दोनों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई। इससे साफ है कि देश में नकद भुगतान की जगह डिजिटल पेमेंट तेजी से ले रहा है। सरकार ने सुरक्षा को भी बताया और मजबूत डिजिटल लेनदेन बढ़ने के साथ-साथ सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक(RBI) और नेशनल सेल्वर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया(NPCI) ने सुरक्षा को भी मजबूत किया है। फर्जी ट्रांजैक्शन रोकने के लिए जोखिम आधारित ट्रांजैक्शन लिमिट लागू की गई

है। इसके अलावा मोबाइल नंबर बदलने से जुड़े फ्रॉड पर रोक, SMS आधारित ऑथेंटिकेशन की सुरक्षा और UPI ऐप्स के लिए सख्त सुरक्षा मानकों को लागू किया गया है। NPCI ने कॉम्प्रिहेंसिव यू पीआई इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी फ्रेमवर्क(CUISF) 2025और मोबाइल एप्लिकेशन सिक्योरिटी फ्रेमवर्क भी लाू किया है, जिससे UPI नेटवर्क पहले से ज्यादा सेफ और भरोसेमंद बन सके। अब विदेशों में भी बढ़ रहा UPI का दायरा UPI अब सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। NPCI की सहयोगी संस्था NPCI इंटरनेशनल पेमेंट लिमिटेड (NIPL) के जरिए इसे कई देशों तक पहुंचाया जा रहा है। इसका फायदा भारतीय पर्यटकों और विदेशों में रहने वाले भारतीयों को मिल रहा है, जो आसानी से सीमा पार डिजिटल भुगतान कर पा रहे हैं। हाल ही में ग्रीस, नेपाल (P2P) और कंबोडिया जैसे देशों को भी UPI नेटवर्क से जोड़ा गया है। इससे भारतीय डिजिटल पेमेंट सिस्टम की वैश्विक पहचान और मजबूत हुई है।UPI के बढ़ते यूजर बेस और रिकॉर्ड ट्रांजैक्शन यह साबित करते हैं कि भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सुरक्षित, तेज और आसान भुगतान व्यवस्था ने न सिर्फ लोगों की सुविधा बढ़ाई है, बल्कि देश को वैश्विक डिजिटल पेमेंट लीडर के रूप में भी स्थापित किया है।

भारत में बढ़ेगा एनआरआई डिपाजिट का प्रवाह, वर्ष27में जमा वृद्धि 15प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी) नई दिल्ली,20जुलाई,। देश में गैर-निवासी भारतीय(एनआरआई) और एफसीएनआर-वी इनफ्लो से बैंक डिपॉजिट की वृद्धि दर वित्त वर्ष 27में 15प्रतिशत पहुंच सकती है। हालांकि, इस दौरान



क्रेडिट वृद्धि दर भी मजबूत रहेगी। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में बताया गया कि अभी तक एफसीएनआर-वी डिपॉजिट के जरिए अब तक करीब 13-14 अरब डॉलर जुटाए जा चुके हैं, जिसमें चालू वित्त वर्ष में देश के बैंकों का डिपॉजिट आधार मजबूत हुआ है।हालांकि, इस दौरान की वित्त वर्ष 23से जारी ट्रेंड के मुताबिक क्रेडिट वृद्धि दर डिपॉजिट से अधिक रहेगी। 30 जून को खत्म हुए पखवाड़े में, बैंक क्रेडिट में सालाना आधार पर 18.6प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि कुल डिपॉजिट राशि में 13.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे क्रेडिट-डिपॉजिट का अंतर बढ़कर 5.3प्रतिशत अंक हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, यह लगातार बना हुआ अंतर कोविड-19 महामारी के बाद जमा राशि जुटाने और क्रेडिट की मांग में आए संरचनात्मक बदलावों को दर्शाता है, न कि लिक्विडिटी के अस्थायी असंतुलन को। रिपोर्ट में कहा गया है कि बड़े महानगरों में पारंपरिक जमा बाजार अब सैचुरेटेड हो चुके हैं, और जमा राशि में वृद्धि अब अर्ध-शहरी और ग्रामीण इलाकों की ओर बढ़ रही है। ऐसा परिवारों की बढ़ती आय, महिलाओं पर केंद्रित कल्याणकारी योजनाओं और बैंकिंग सेवाओं के विस्तार के कारण हो रहा है। साथ ही, शहरी परिवार अपनी बचत को म्यूचुअल फंड और इक्विटी जैसे मार्केट-लिंक्ड इन्स्ट्रुमेंट्स में लगा रहे हैं, जिससे बैंकिंग सिस्टम में परिवारों की जमा राशि का हिस्सा कम हो रहा है। कर्ज देने के मामले में, रिपोर्ट में कहा गया है कि रेगुलेटरी उपायों से बिना गारंटी वाले पर्सनल लोन पर रोक लगने के बाद क्रेडिट ग्रोथ का दायरा बढ़ा है।

मामूली गिरावट के साथ खुला शेयर बाजार, इन स्टाक्स में तेज उतार चढ़ाव



सुबई (एजेंसी) मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार ने मामूली गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत की। हफ्ते के दूसरे कारोबारी सत्र में वीएसई सेंसेक्स 58.89 अंकों (0.08)की गिरावट के साथ 77,649.63 अंकों पर खुला। वहीं दूसरी ओर, एनएसई के निफ्टी 50इंडेक्स ने आज 22.45अंक (0.09)की मामूली गिरावट के साथ 24,216.05 अंकों पर कारोबार की शुरुआत की। बताते चलें कि सोमवार को बाजार बड़ी गिरावट के साथ खुले थे और बड़ी गिरावट के साथ ही बंद भी हुए थे। एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट जारी मंगलवार को सेंसेक्स की 30में से 21कंपनियों के शेयर बढ़ल के साथ हरे निशान में खुले और बाकी की सभी 9 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में खुले। जबकि, निफ्टी 50की 50में से 36कंपनियों के शेयर तेजी के साथ हरे निशान में खुले और 13कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में खुले, जबकि 1 कंपनी का शेयर बिना किसी गिरावट के खुला। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर आज सबसे ज्यादा 0.75प्रतिशत की बढ़त के साथ खुले। जबकि, देश के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर के बैंक एचडीएफसी बैंक के शेयर आज सबसे ज्यादा 1.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ खुले। बताते

चलें कि सोमवार को भी एचडीएफसी बैंक के शेयर सबसे बड़ी गिरावट के साथ खुले थे। टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक समेत इन स्टॉक्स ने की पॉजिटिव शुरुआत सेंसेक्स के बाकी शेयरों में आज टेक महिंद्रा के शेयर 0.72प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 0.70 प्रतिशत, टाटा स्टील 0.64प्रतिशत, कोटक महिंद्रा बैंक 0.64 प्रतिशत , इंडिगो 0.50 प्रतिशत , एचसीएल टेक 0.43 प्रतिशत , एलएंडटी 0.40 प्रतिशत, टीसीएस 0.35प्रतिशत, भारती एयरटेल 0.29प्रतिशत , एशियन पेंट्स 0.25प्रतिशत , एसबीआई 0.23 प्रतिशत , एनटीपीसी 0.22 प्रतिशत , आईसीसी 0.21 प्रतिशत , इन्फोसिस 0.21प्रतिशत, वीईएल 0.21प्रतिशत , हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.15 प्रतिशत , अडाणी पोर्ट्स 0.11 प्रतिशत , पावर ग्रिड 0.10प्रतिशत , ट्रेड 0.09 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 0.06 प्रतिशत की तेजी के साथ खुले। वहीं दूसरी तरफ, सोमवार को एटरनल के शेयरों ने 0.61प्रतिशत, सन फार्मा 0.47प्रतिशत, मासति सुजुकी 0.43प्रतिशत , रिलायंस इंडस्ट्रीज 0.24 प्रतिशत , नेशनल फिनसर्व 0.19प्रतिशत , बजाज फाइनेंस 0.15प्रतिशत, एक्सिस बैंक 0.11प्रतिशत और टाइटन के शेयरों ने 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार शुरू किया।

संपादकीय

थकी हुई वर्दी, टूटता हुआ मन

भारतीय लोकतंत्र का जमीनी आधार और भारत की आत्मा गांवों में बसती है, उन गांवों की लोकतांत्रिक आत्मा 'ग्राम सभा' में निहित है। भारतीय संविधान के 73वें संशोधन ने पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देकर सत्ता के विकेंद्रीकरण की जो नींव रखी थी, उसकी सबसे महत्वपूर्ण और प्रत्यक्ष इकाई ग्राम सभा ही है। ग्राम सभा केवल स्थानीय शासन की एक संस्था नहीं है बल्कि यह देश के हर ग्रामीण नागरिक की सीधे नीति-निर्माण, बजट निर्धारण और विकास कार्यों की निगरानी का अधिकार देने वाला सशक्त मंच है। परंतु समय के साथ इस बुनियादी लोकतांत्रिक संस्था की कार्यप्रणाली में कई विसंगतियां और चुनौतियां सामने आई हैं। इनमें सबसे बड़ी और चिंताजनक चुनौती यही है कि आज के इस तकनीकी युग के बावजूद ग्राम सभा की बैठकों में आम नागरिकों की भागीदारी घट रही है। मसलन, केंद्र सरकार और नीति आयोग की जारी ताजा रिपोर्ट ने जमीनी लोकतंत्र की बुनियाद मजबूत करने की चुनौती खड़ी कर दी है। हालांकि यह अध्ययन भारत की ग्रामीण विकास नीतियों को‘संख्या-केंद्रित’ से‘परिणाम-केंद्रित’ बनाने का सटीक मार्गदर्शक दस्तावेज साबित हो सकता है।

दरअसल , देश में जमीनी लोकतंत्र की इसी गंभीर समस्या का बारीकी से अध्ययन करने और इसका समाधान खोजने के लिए केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय के तत्वावधान में व्यापक राष्ट्रीय अध्ययन कराया गया। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद द्वारा तैयार की गई यह द्वि-खंडीय रिपोर्ट देश में नागरिक-केंद्रित शा सन को सु दृढ़ करने की दिशा में ऐतिहासिक और साध्य आधारित दस्तावेज है। खास बात है कि इस अध्ययन का दायरा और सांख्यिकी के हिसाब से भारत के ग्रामीण नीति-निर्माण के इतिहास में सबसे व्यापक और विशाल क्षेत्र आधारित आकलनों में से एक है। देश की ग्राम सभाओं को लेकर यह राष्ट्रीय अध्ययन रिपोर्ट भारत के ग्रामीण स्वशासन के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण मोड़ है। जैसा कि रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि नागरिक-केंद्रित शासन देने के लिए जीवंत ग्राम सभाएँ अनिवार्य हैं। जब तक देश के गांवों का अंतिम व्यक्ति ग्राम सभा की बैठक में शामिल होकर अपने गांव के भविष्य का फैसला करने में सक्षम और उत्सुक नहीं होगा, तब तक लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का सपना अधूरा रहेगा।

पंचायती राज मंत्रालय और नीति आयोग का यह संयुक्त प्रयास साध्य-आधारित नीतियों के मा ध्यम से देश की जमीनी लोकतांत्रिक संस्थाओं को एक नई ऊर्जा, समावेशन और शक्ति प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त करता है। इस दिशा में मोदी सरकार देश के हर नागरिक को सशक्त बनाने और नीतियों के केंद्र में ‘नागरिक’ को रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्हींने ग्राम सभा को जमीनी लोकतंत्र की सबसे सच्ची अभिव्यक्ति करार देकर ग्रामीण ढांचागत और संस्थागत व्यवस्था की नींव को मजबूती देने की पहल की है।

इस रिपोर्ट की विश्वसनीयता और इसकी साध्य आधारित प्रकृति को समझने के लिए इसके सांख्यिकीय दायरे को समझना आवश्यक है। इस रिपोर्ट में संस्थान के सह-अध्यापक डॉ॰ अंजन कुमार भांजा द्वारा प्रस्तुत किए गए निष्कर्षों पर गौर किया जाए तो यह देश के सबसे बड़े क्षेत्र-आधारित अध्ययनों में से एक है। इस शोध के दायरे में देश के 26राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 213 जिलों को शामिल किया गया। टीम ने लगभग 400 ग्राम पंचायतों (जिनमें पेसा‘PESA’ क्षेत्र और महिला-रिजर्वे पी पंचायतें भी शामिल हैं) का दौरा कर 7,800उत्तरदाताओं से सीधा संवाद किया, जिसके बाद यह साक्ष्य आधारित द्वि-खंडीय रिपोर्ट तैयार की गई। इसमें 10राज्यों की उन‘बेस्ट प्रैक्टिसेज’सर्वोत्तम प्रयोगों(को भी शामिल किया गया है, जिन्होंने अपने यहाँ भागीदारी बढ़ाने में सफलता पाई है) है। इस अध्ययन रिपोर्ट को 30 जून 2०26 को नई दिल्ली में नीति आयोग के सदस्य डॉ॰ आर. बालासुब्रमण्यम और पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज द्वारा जारी किया, जिसमें जमीनी लोकतंत्र की कमजोर होती नींव और उसकी चुनौतियों को लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार भागीदारी में सबसे बड़ी बाधाएँ ग्राम सभाओं में लोगों का न आना केवल उदासीनता नहीं बल्कि इसके पीछे गहरे सामाजिक-आर्थिक और व्यावहारिक कारण हैं। इसमें आजीविका और समय के संकट के कारण 55.5 प्रतिशत भागीदारी न होने का सबसे बड़ा कारण है, इसमें ग्रामीण आबादी का बड़ा हिस्सा दैनिक मजदूरी या कृषि पर निर्भर है।

प्रधानमंत्री मोदी के भारत के 5 एफ विजन को बुनता टेक्स 2026

कश्मीरी पश्मीना की नरम गर्माहट से लेकर असम के मूंगा सिल्क की शानदार चमक तक, राजस्थानी बांधनी के जीवंत ज्यामितीय पैटर्न से लेकर कांजीवरम सिल्क की सदाबहार और बेहतरीन बनावट तक, भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता धागों से बुना एक जीता-जागता नक्शा है। आज, सभ्यता की यह बेमिसाल तस्वीर एक ही छत के नीचे एक साथ नजर आ रही है। नई दिल्ली के प्रसिद्ध भारत मंडपम में 14 से 17 जुलाई तक भारत टेक्स 2026 का आयोजन, हमारे देश की खूबसूरत विविधता को एक ही मंच पर ला रहा है।वख उद्योग सिर्फ हमरा ही विरासत की झलक नहीं है, यह भारत के मैक्रो-इकोनॉमिक ढांचे की एक मज़बूत नींव भी है। यह क्षेत्र लगातार विकास और समानता का एक बहुत बड़ा इंजन बना हुआ है, जो जीडीपी में 2.3त्र, औद्योगिक उत्पादन में 13त्र और निर्यात में 8.6त्र का योगदान देता है। कृषि के बाद भारत में सबसे ज्यादा रोजगार देने वाला यह क्षेत्र 100मिलियन से ज्यादा लोगों की आजीविका का साधन है, जो ग्रामीण समुदायों को मज़बूत बनाता है और देश भर में लाखों महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाता है।आर्थिक शक्ति के इस केंद्र को सही मायने में समझने के लिए भारत टेक्स का अनुभव करना बेहद ज़रूरी है। यह वैश्विक स्तर पर प्रमुख भारतीय वस्त्रों का व्यापार मेला है, जिसे पूरी दुनिया के सामने हमारे निर्माण और रचनात्मकता की क्षमता का दबदबा दिखाने के लिए तैयार किया गया है। यह एक ऐसा व्यापक बाज़ार है, जहाँ घरेलू निर्माणकर्ता, राज्यों के पंचलियन, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक और वैश्विक खरीदार एक ही छत के नीचे होते हैं। इससे बड़े पैमाने पर मोसिंग, कॉर्पोरेट जुड़ाव और ब्रांड को प्रदर्शित करने के अवसर भी मिलते हैं।

इस शानदार पहल के सफर पर नजर डालें तो मुझे भारत टेक्स के पिछले दो आयोजनों से बेहद गर्व की अनुभूति का स्मरण होता है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत टेक्स के पिछले संस्करण के दौरान संपूर्ण वस्त्र समुदाय को संबोधित किया था, तो उन्होंने बेहद खूबसूरती से कहा था कि हमने जो बीज बोया था, वह अब तेज़ी से बरपाव के पेड़ का रूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि यह भव्य आयोजन न केवल हमारी समृद्ध परंपराओं का जन्म मनाता है, बल्कि एक विकसित भारत की अपार संभावनाओं को भी उजागर करता

जल जीवन का मुख्य आधार

जल अमृत है। जल को प्राण कहा गया है। जल प्रत्येक प्राणी के लिए अपरिहार्य है। प्रत्येक प्राणी जल पर निर्भर है। सम्पूर्ण विश्व में पेयजल की कमी हो रही है। नदियों का जल घट रहा है। जल स्रोत सूख रहे हैं। विश्व का तापमान बढ़ा है। तापमान बढ़ने से ऋतु चक्र में परिवर्तन हो रहा है। कहीं अत्यधिक गर्मी है कहीं पर अतिवृष्टि तो कही शीत से लोग पीड़ित हैं।

मानसून ने बड़ी प्रतीधा कराई। मानसून शब्द अरबी भाषा के मौसम शब्द से लिया गया है। इसका अर्थ मौसम या ऋतु होता है। यह शब्द मुख्य रूप से अरब सागर में हवा की दिशा में होने वाले बदलावों के लिए प्रयोग किया जाता है। ऋतु शब्द संस्कृत का है। यह वैदिक संस्कृत से लिया गया है। इसका अर्थ यज्ञ या धार्मिक अनुष्ठान से है। भारतीय दर्शन में ऋतु में छह हैं। वसंत ऋतु की बड़ी महिमा बताई गई है। इसे ही ऋतुओं का राजा कहा गया है। इसके बाद ग्रीष्म ऋतु है। वर्षा ऋतु मो हक हो ती है। किसान अपनी खेती की तैयारी में लग जाते हैं। इसके बाद हेमंत ऋतु। फिर शिशिर ऋतु। इसी तरह शब्द है ऋता। कई बार ऋत को ऋतु और ऋतु को ऋत कह दिया जाता है। ऋत वैदिक दार्शनिक अवधारणा है। यह प्रकृति का शाश्वत अनुशासन है। ऋतु एक चक्र है। मौसम है।जल जीवन का मुख्य आधार है। ऋग्वेद में जल को आपः कहकर दिव्य चेतना और प्राण शक्ति कहा गया है। जल मात्र भौतिक तत्व नहीं है। यह माँ के समान पालक भी है। जल के देवता वरुण हैं। ऋग्वेद में कहा गया है कि, जल में सभी रोगों को दूर करने की क्षमता है। जल के देवता वरुण ब्रम्हांड के नियमों (ऋत) को बनाए रखते हैं। पर्जन्य देव वर्षा वादल बिजली के देव हैं। जल का दार्शनिक वर्णन उपनिषदों में किया गया है। छांदोग्य उपनिषद में जल को प्राण और ईश्वर के निकट माना गया है। जल ही अन्न और जीवन है। महर्षि उदालकअपने पुत्र श्वेतकेतु को समझाते हैं कि जल के बिना कुछ भी सम्भव नहीं है। जल न हो तो अन्न नहीं होगा। बिना अन्न के जीवन नहीं हो सकता। कहा कि जल में ईश्वरीय तत्व होता है। जैसे जल में नमक घुला हो वह अदृश्य रहता है लेकिन बूंद में स्वाद होता है। वैसे ही निराकार जीवों में सभी जगह और हर जीव में वरुण है। अथर्ववेद में जल को शिवोत्तम रस कहा गया है। सामवेद में जल को सोमजल कहा गया है। रामचरितमानस में जल पंच महाभूतों में आधार है।

गीता में श्रीकृष्ण ने जल की महिमा को ईश्वरीय ऊर्जा कहा है। सर्वव्यापी सत्ता के रूप में कहा है। वे कहते हैं प्रकृति का हर रूप अंतत उन्ही का विस्तार है। श्रीकृष्ण ज्ञान विज्ञान योग के सातवें अध्याय के आठवें श्लोक में कहते हैं- हे अर्जुन, मैं जल में रस(स्वाद) हूँ। सूर्य और चंद्रमा का प्रकाश हूँ। यहां श्रीकृष्ण कह रहे हैं कि जल न केवल माध्यम है बल्कि मनुष्य की प्यास बुझाने वाली तुप्ति है (स्वाद है)। वह साक्षात परमात्मा का रूप है। गीता में सीधे जल के भौतिक गुणों की पूजा करने की जगह उसके आध्यात्मिक महत्व को

90फीसदी लोगों की समस्याओं का कोई मतलब नहीं

भारत के एक स्टैंड अप कॉमेडियन हैं वीर दास। वीर दास ने अमेरिकी के जॉन एफ कैनेडी सेंटर में एक शो किया था, जिसकी थीम उन्होंने रखी थी ‘आई कम फ्रॉम टू इंडियाज’। इस शो में उन्होंने भारत के विरोधाभासों के बारे में बताया था। विरोधाभास कई स्तर पर था। सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक हर तरह के विरोधाभास पर उनकी टिप्पणी थी। जैसे वीर दास ने कहा कि हिंदू दिन में देवियों की पूजा करते हैं और रात में महिलाओं के ऊपर अत्याचार होते हैं। इस तरह की अनेक बातें थीं, जिनको लेकर भारत में खूब विवाद हुआ। वीर दास के खिलाफ प्रदर्शन हुए। उनको देश विरोधी और हिंदू विरोधी बताया गया। उन पर पाबंदी लगाने की बात हुई।

यह सिर्फ इसलिए हुआ क्योंकि उन्होंने दो भारत की तस्वीर दिखाई थी।

सवाल है कि क्या देश के अंदर दो या कई पहचान, कई नाम नहीं हैं भारत की विविधता की चर्चा होती है। लेकिन वह विविधता भौगोलिक , धार्मिक, सांस्कृतिक, भाषायी स्तर पर है तो उसे गौरवशाली बता कर प्रस्तुत किया जाता है। लेकिन सामाजिक या

आर्थिक विषमताओं की जैसे ही कोई चर्चा करता है वैसे ही वह

निशाने पर आ जाता। धार्मिक मामलों में भी विरोधाभासों की बात करें तो लोगों को बुरा लग जाता है। तभी सवाल है कि कैसे असली भारत की तस्वीर सामने आएगी दूसरे भारत की ही तस्वीरें हर जगह दिखाई जाती हैं और उसी आधार पर दावा किया जाता है कि भारत तरक्की कर रहा है और आगे बढ़ रहा है, जबकि असल में ऐसा नहीं है।मिसाल के तौर पर भारत में किसी से कहा जाएगा कि आर्थिक हालत बहुत खराब है, देश की अर्थव्यवस्था रसातल में जा रही है या आम आदमी बहुत परेशान है। तो तुरंत एक दूसरी तस्वीर पेश कर दी जाती है। यह तस्वीर दूसरे भारत की है। कहा जाता है कि अगर आर्थिक स्थिति इतनी खराब है तो लाखों की संख्या में आईफोन कैसे विक रहे हैं? इन सवालों से लाजवाब करने की कोशिश होगी कि मॉल भरे हुए हैं, थिएटर भरे हुए हैं, महंगे फोन खरीदने के लिए लोग लाइन लगा कर खड़े हैं, महंगी गाडि़यों के लिए एडवांस बुकिंग हो रही है और कई महीनों की वेटिंग है फिर गरीबी कहा है इस सवाल का क्या जवाब हो सकता है कि सिवाए इसके कि दो

आर्थिक विषमताओं की जैसे ही कोई चर्चा करता है वैसे ही वह निशाने पर आ जाता। धार्मिक मामलों में भी विरोधाभासों की बात करें तो लोगों को बुरा लग जाता है। तभी सवाल है कि कैसे असली भारत की तस्वीर सामने आएगी दूसरे भारत की ही तस्वीरें हर जगह दिखाई जाती हैं और उसी आधार पर दावा किया जाता है कि भारत तरक्की कर रहा है और आगे बढ़ रहा है, जबकि असल में ऐसा नहीं है।मिसाल के तौर पर भारत में किसी से कहा जाएगा कि आर्थिक हालत बहुत खराब है, देश की अर्थव्यवस्था रसातल में जा रही है या आम आदमी बहुत परेशान है। तो तुरंत एक दूसरी तस्वीर पेश कर दी जाती है। यह तस्वीर दूसरे भारत की है। कहा जाता है कि अगर आर्थिक स्थिति इतनी खराब है तो लाखों की संख्या में आईफोन कैसे विक रहे हैं? इन सवालों से लाजवाब करने की कोशिश होगी कि मॉल भरे हुए हैं, थिएटर भरे हुए हैं, महंगे फोन खरीदने के लिए लोग लाइन लगा कर खड़े हैं, महंगी गाडि़यों के लिए एडवांस बुकिंग हो रही है और कई महीनों की वेटिंग है फिर गरीबी कहा है इस सवाल का क्या जवाब हो सकता है कि सिवाए इसके कि दो

अलग-अलग भारतीय राज्यों को अपने खास औद्योगिक ढांचे को पेश करने का मंच प्रदान करेंगे।उद्योगों को आगे बढ़ाने हेतु वास्तविक नेतृत्व के लिए ज्ञान और भविष्य की यो जना के प्रति गहरी प्रतिबद्धता की ज़रूरत होती है। भारत टेक्स 2026।इस जिम्मेदारी को वैश्विक वस्त्र वार्ता के ज़रिए निभाता है, जिसमें पैन्ल चर्चा, राउंडटेबल , मास्टरक्लास, राज्य सत्र, अवॉर्ड्स पिच फेस्ट और कार्यशाला जैसे 100से ज्यादा खास सत्र शामिल हैं। 370से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सीएक्सओ, पॉलिसी निर्माता और अन्वेषकों की अगुवाई में होने वाले ये खास सत्र व्यापार और नि वेश को बढ़ाने , तकनीक और नवाचारों को आगे बढ़ाने और फैशन तथा क्राफ्ट को बेहतर बनाने पर फोकस करेंगे। इस कार्यक्रम में व्यापार, निवेशक , तकनीक और संस्थागत सहयोग से जुड़े कई रणनीतिक समझौतों और क्षेत्रों से जुड़ी रिपोर्टें पर हस्ताक्षर और उन्हें लॉन्च भी किया जाएगा।इन चर्चाओं में वहनीयता और सुक़्लैरिटी जैसे अहम पहलुओं पर भी खास ध्यान दिया जाएगा। पिछले कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया था कि वैश्विक फैशन समुदाय तेज़ी से पर्यावरण के लिए फैशन के दृष्टिकोण को अपना रहा है और वहनीयता हमेशा से भारत की टेक्सटाइल विरासत का अहम हिस्सा रही है। भारत टेक्स का यह संस्करण वैश्विक पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों को एक बड़े अवसर में बदलता है और यह दिखाता है कि कैसे नवाचारों की मदद से हमारी पारंपरिक तकनीकें और बेहतर हुई हैं और इस दौरान ये भी ख्याल रखा गया है कि इस प्रक्रिया में संसाधनों का ज़्यादा से ज़्याादा इस्तेमाल हो सके और बर्बादी कम हो, जिससे हमारे बुनकरों और कारीगरों को सीधा फायदा हो। हमारे वस्त्र में व्री गिरिराज सिं ह जी के नेतृत्व में, मंत्रालय ने ज़मीनी स्तर पर इन आधुनिकीकरण और वहनीय वृद्धि की पहलों को तेज़ी से आगे बढ़ाया है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि हमारी पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को मज़बूत आधुनिक तकनीक, बड़े पैमाने पर लागू होने वाले नीतिगत फ्रेमवर्क और मज़बूत मार्केट लिंकेज का सहारा मिले।आज भारत टेक्स में लगातार बढ़ता पैमाना और आत्मविश्वास जो दिख रहा है, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक से लगातार किए जा रहे नीतिगत सुधारों का नतीजा है। पिछले 12सालों में, मोदी सरकार ने बड़े बदलाव

अलग-अलग भारतीय राज्यों को अपने खास औद्योगिक ढांचे को पेश करने का मंच प्रदान करेंगे।उद्योगों को आगे बढ़ाने हेतु वास्तविक नेतृत्व के लिए ज्ञान और भविष्य की यो जना के प्रति गहरी प्रतिबद्धता की ज़रूरत होती है। भारत टेक्स 2026।इस जिम्मेदारी को वैश्विक वस्त्र वार्ता के ज़रिए निभाता है, जिसमें पैन्ल चर्चा, राउंडटेबल , मास्टरक्लास, राज्य सत्र, अवॉर्ड्स पिच फेस्ट और कार्यशाला जैसे 100से ज्यादा खास सत्र शामिल हैं। 370से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सीएक्सओ, पॉलिसी निर्माता और अन्वेषकों की अगुवाई में होने वाले ये खास सत्र व्यापार और नि वेश को बढ़ाने , तकनीक और नवाचारों को आगे बढ़ाने और फैशन तथा क्राफ्ट को बेहतर बनाने पर फोकस करेंगे। इस कार्यक्रम में व्यापार, निवेशक , तकनीक और संस्थागत सहयोग से जुड़े कई रणनीतिक समझौतों और क्षेत्रों से जुड़ी रिपोर्टें पर हस्ताक्षर और उन्हें लॉन्च भी किया जाएगा।इन चर्चाओं में वहनीयता और सुक़्लैरिटी जैसे अहम पहलुओं पर भी खास ध्यान दिया जाएगा। पिछले कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया था कि वैश्विक फैशन समुदाय तेज़ी से पर्यावरण के लिए फैशन के दृष्टिकोण को अपना रहा है और वहनीयता हमेशा से भारत की टेक्सटाइल विरासत का अहम हिस्सा रही है। भारत टेक्स का यह संस्करण वैश्विक पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों को एक बड़े अवसर में बदलता है और यह दिखाता है कि कैसे नवाचारों की मदद से हमारी पारंपरिक तकनीकें और बेहतर हुई हैं और इस दौरान ये भी ख्याल रखा गया है कि इस प्रक्रिया में संसाधनों का ज़्यादा से ज़्याादा इस्तेमाल हो सके और बर्बादी कम हो, जिससे हमारे बुनकरों और कारीगरों को सीधा फायदा हो। हमारे वस्त्र में व्री गिरिराज सिं ह जी के नेतृत्व में, मंत्रालय ने ज़मीनी स्तर पर इन आधुनिकीकरण और वहनीय वृद्धि की पहलों को तेज़ी से आगे बढ़ाया है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि हमारी पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को मज़बूत आधुनिक तकनीक, बड़े पैमाने पर लागू होने वाले नीतिगत फ्रेमवर्क और मज़बूत मार्केट लिंकेज का सहारा मिले।आज भारत टेक्स में लगातार बढ़ता पैमाना और आत्मविश्वास जो दिख रहा है, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक से लगातार किए जा रहे नीतिगत सुधारों का नतीजा है। पिछले 12सालों में, मोदी सरकार ने बड़े बदलाव

पेयजल का संकट गहराता जा रहा है। पूर्व में नदियों-झीलों का जल पीने योग्य होता था। अब नहीं। वर्ष 90और 95तक कुओं से पानी मिलता रहा है। इससे पूर्व सैकड़ों शताब्दियों से कुओं का खुदवाया जाना, ईश्वरीय पुण्य का कार्य माना जाता था। तब के कालखंड में राजा भी कुएं बनवाते थे। यह कार्य सिर्फ मैदानी क्षेत्रों तक सीमित नहीं था। दुर्गम और पहाड़ी पथरीले क्षेत्र में भी राजाओं और संपन्न लोगों द्वारा कुएं बनवाये जाते थे। कुओं से पेयजल के साथ सिंचाई भी होती थी। सिंचाई के लिये कुओं से पानी निकालने के लिए बैलों का प्रयोग होता था। पानी निकालने वाला पात्र चमड़े का होता था।

पेयजल का संकट गहराता जा रहा है। पूर्व में नदियों-झीलों का जल पीने योग्य होता था। अब नहीं। वर्ष 90और 95तक कुओं से पानी मिलता रहा है। इससे पूर्व सैकड़ों शताब्दियों से कुओं का खुदवाया जाना, ईश्वरीय पुण्य का कार्य माना जाता था। तब के कालखंड में राजा भी कुएं बनवाते थे। यह कार्य सिर्फ मैदानी क्षेत्रों तक सीमित नहीं था। दुर्गम और पहाड़ी पथरीले क्षेत्र में भी राजाओं और संपन्न लोगों द्वारा कुएं बनवाये जाते थे। कुओं से पेयजल के साथ सिंचाई भी होती थी। सिंचाई के लिये कुओं से पानी निकालने के लिए बैलों का प्रयोग होता था। पानी निकालने वाला पात्र चमड़े का होता था।

समझाया गया है। जल जीवन की दिव्यता है। जल जीवन का आधार है। जल संपूर्ण सृष्टि की उत्पत्ति का मूल आधार है। गीता और हिंदू दर्शन में जल को(नारायण) कहा गया है। अयन या निवास जिसका रूप माना गया है। हम सबको जल को व्यर्थ नहीं बहाना चाहिए। जल प्रदूषित नहीं करना चाहिए। जल स्रोतों को प्रदूषण से बचना चाहिए। हम सबकी जिम्मेदारी भी है और कर्तव्य भी है। बताया जाता है कि पृथ्वी में 3प्रतिशत पेयजल है। इसी तीन प्रतिशत में जमी बर्फ, ग्लेशियर भी हैं। शेष जल समुद्री खारा है। पेयजल का संकट गहराता जा रहा है। पूर्व में नदियों-झीलों का जल पीने योग्य होता था। अब नहीं। वर्ष 90और 95तक कुओं से पानी मिलता रहा है। इससे पूर्व सैकड़ों शताब्दियों से कुओं का खुदवाया जाना, ईश्वरीय पुण्य का कार्य माना जाता था। तब के कालखंड में राजा भी कुएं बनवाते थे। यह कार्य सिर्फ मैदानी क्षेत्रों तक सीमित नहीं था। दुर्गम और पहाड़ी पथरीले क्षेत्र में भी राजाओं और संपन्न लोगों द्वारा कुएं बनवाये जाते थे। कुओं से पेयजल के साथ सिंचाई भी होती थी। सिंचाई के लिये कुओं से पानी निकालने के लिए बैलों का प्रयोग होता था। पानी निकालने वाला पात्र चमड़े का होता था। उसे पुर कहा जाता था। कई क्षेत्रों में सिंचाई के पानी को कुओं से निकालने के लिए चरखा(डिब्बे) वाला प्रयोग होता था। यह प्राचीन काल की बातें नहीं हैं। आधुनिक और स्वतंत्र भारत में भी होता था।

आज स्थिति भयावह है। गांव में भी बोतलबन्द पानी बिक रहा है। 20रुपये किलो गेहूं है, 20रुपये की ही पानी की 1लीटर की बोतल है। कहीं खरीदो, कहीं पियो। कहीं फेंको। प्लास्टिक बोतलों, डिब्बों , थैलियों को आधुनिक प्रगतिशील पर्यटनवादी भारतीयों ने हिमालय सहित सभी पवित्र पहाड़ी क्षेत्र तक पहुंचाने का महती काम किया है। प्लास्टिक कचरे को नदियों में डालने की कार्रवाई जारी है। जल स्रोतों तक प्लास्टिक पहुंच गई है। जलीय जीवों के पेट में तो प्लास्टिक है ही। गायों व अन्य जीवों के पेट में प्लास्टिक घुस गई है। जानवर मर रहे हैं। वैज्ञानिक सचेत कर रहे हैं। पहले प्लास्टिक की बोतलों में दवा आई। फिर पानी आया। फिर पाउच में पानी और दारू भी आई। अब तो दारू भी प्लास्टिक बोतल में बिक रही है। बोतलों का उत्पादन बढ़ा है। प्लास्टिक सम्पूर्ण मानवता का अतिरिक्त नुकसान कर रही है। प्लास्टिक शहर से गांव पहुंची। नगर के साथ गांव में प्लास्टिक कचरा बढ़ा है। शहरों ने तालाबों को निगल लिया। गांव के तालाबों को प्लास्टिक निगल रही है। ट्रकों प्लास्टिक तालाबों में भारी पड़ी है। तालाब झील पट रहे हैं। कुओं खस होकर पुरातात्विक हो गए। तालाब, झीलें, नदियां सूख रहे। समुद्री तटीय महानगरीय क्षेत्र कूड़ा से पटे पड़े हैं। इसके बावजूद दावा है महानगरीय अतिरिक्त सभ्य हैं। प्रगतिशील हैं। वह इंडियन भी हैं। सरकारें पॉलिथीन नहीं रोक पा रही। उसकी फैक्ट्रियां बड़ी हैं। □□□□

आज स्थिति भयावह है। गांव में भी बोतलबन्द पानी बिक रहा है। 20रुपये किलो गेहूं है, 20रुपये की ही पानी की 1लीटर की बोतल है। कहीं खरीदो, कहीं पियो। कहीं फेंको। प्लास्टिक बोतलों, डिब्बों , थैलियों को आधुनिक प्रगतिशील पर्यटनवादी भारतीयों ने हिमालय सहित सभी पवित्र पहाड़ी क्षेत्र तक पहुंचाने का महती काम किया है। प्लास्टिक कचरे को नदियों में डालने की कार्रवाई जारी है। जल स्रोतों तक प्लास्टिक पहुंच गई है। जलीय जीवों के पेट में तो प्लास्टिक है ही। गायों व अन्य जीवों के पेट में प्लास्टिक घुस गई है। जानवर मर रहे हैं। वैज्ञानिक सचेत कर रहे हैं। पहले प्लास्टिक की बोतलों में दवा आई। फिर पानी आया। फिर पाउच में पानी और दारू भी आई। अब तो दारू भी प्लास्टिक बोतल में बिक रही है। बोतलों का उत्पादन बढ़ा है। प्लास्टिक सम्पूर्ण मानवता का अतिरिक्त नुकसान कर रही है। प्लास्टिक शहर से गांव पहुंची। नगर के साथ गांव में प्लास्टिक कचरा बढ़ा है। शहरों ने तालाबों को निगल लिया। गांव के तालाबों को प्लास्टिक निगल रही है। ट्रकों प्लास्टिक तालाबों में भारी पड़ी है। तालाब झील पट रहे हैं। कुओं खस होकर पुरातात्विक हो गए। तालाब, झीलें, नदियां सूख रहे। समुद्री तटीय महानगरीय क्षेत्र कूड़ा से पटे पड़े हैं। इसके बावजूद दावा है महानगरीय अतिरिक्त सभ्य हैं। प्रगतिशील हैं। वह इंडियन भी हैं। सरकारें पॉलिथीन नहीं रोक पा रही। उसकी फैक्ट्रियां बड़ी हैं। □□□□

भारत हैं। एक भारत 90या 95फीसदी लोगों का है, जिनका जीवन संघर्षों से भरा है। जो पांच किलो अनाज से लेकर खैरात की दूसरी योजनाओं के इंतजार में रहते हैं। यह वो आबादी है, जो किसी तरह से जीवनयापन कर रही है। इसके मुकाबले जो पहला भारत है वह पांच से 10फीसदी लोगों का है। अगर 10फीसदी भी माने तो यह संख्या 14करोड़ के आसपास होती है। इस आबादी में काम कर रहे या रिटायर हो गए सरकारी अधिकारी व कर्मचारी हैं, जिनको नियमित वेतन और पेंशन मिल रहा है। संगठित क्षेत्र में काम करने वाले निजी पेशेवर हैं और मध्यम व बड़े कारोबारी हैं। यह आबादी अपने आप में इतनी बड़ी है कि महंगे फोन और महंगी गाडि़यों का बाजार इनके लिए छोटा पड़ जाएगा।

यह आबादी ब्रिटेन की पूरी आबादी के ढाई गुने के बराबर है। अमेरिका की कुल आबादी के आधे से थोड़ी ही कम है। यह आबादी अगर अलग कर दी जाए तो एक खूब संपन्न और विकसित देश दिखेगा। लेकिन बाकी 90फीसदी लोगों का क्या क्या 10फीसदी लोग महंगे फोन और महंगी गाडि़यां खरीदने के लिए लाइन लगा रहे हैं इसलिए मान लिया जाए कि 90फीसदी लोगों की समस्याओं

आज स्थिति भयावह है। गांव में भी बोतलबन्द पानी बिक रहा है। 20रुपये किलो गेहूं है, 20रुपये की ही पानी की 1लीटर की बोतल है। कहीं खरीदो, कहीं पियो। कहीं फेंको। प्लास्टिक बोतलों, डिब्बों , थैलियों को आधुनिक प्रगतिशील पर्यटनवादी भारतीयों ने हिमालय सहित सभी पवित्र पहाड़ी क्षेत्र तक पहुंचाने का महती काम किया है। प्लास्टिक कचरे को नदियों में डालने की कार्रवाई जारी है। जल स्रोतों तक प्लास्टिक पहुंच गई है। जलीय जीवों के पेट में तो प्लास्टिक है ही। गायों व अन्य जीवों के पेट में प्लास्टिक घुस गई है। जानवर मर रहे हैं। वैज्ञानिक सचेत कर रहे हैं। पहले प्लास्टिक की बोतलों में दवा आई। फिर पानी आया। फिर पाउच में पानी और दारू भी आई। अब तो दारू भी प्लास्टिक बोतल में बिक रही है। बोतलों का उत्पादन बढ़ा है। प्लास्टिक सम्पूर्ण मानवता का अतिरिक्त नुकसान कर रही है। प्लास्टिक शहर से गांव पहुंची। नगर के साथ गांव में प्लास्टिक कचरा बढ़ा है। शहरों ने तालाबों को निगल लिया। गांव के तालाबों को प्लास्टिक निगल रही है। ट्रकों प्लास्टिक तालाबों में भारी पड़ी है। तालाब झील पट रहे हैं। कुओं खस होकर पुरातात्विक हो गए। तालाब, झीलें, नदियां सूख रहे। समुद्री तटीय महानगरीय क्षेत्र कूड़ा से पटे पड़े हैं। इसके बावजूद दावा है महानगरीय अतिरिक्त सभ्य हैं। प्रगतिशील हैं। वह इंडियन भी हैं। सरकारें पॉलिथीन नहीं रोक पा रही। उसकी फैक्ट्रियां बड़ी हैं। □□□□

लाने वाले कदमों के ज़रिए वस्त्र मूल्य श्रृंखलाओं की हर कडी को मज़बूत किया है। वस्त्रों के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव(पीएलआई) योजना ने?31,687 करोड़ से ज़्यादा के निवेश का वादा हासिल किया है। इससे पैन्ल-मैड फाइबर वाले कपड़ों, फ़ैब्रिक और टेक्निकल टेक्सटाइल के बड़े पैमाने पर निर्माण को बढ़ावा मिला है और साथ ही बड़े पैमाने पर रोज़गार के अवसर भी पैदा हुए हैं। इसके साथ ही , प्रधानमंत्री के दूरदर्शी 5एफ दृष्टिकोण को अपनाने हुए सात पीएम पार्क को एकीकृत विनिर्माण व्यवस्था के तौर पर विकसित किया जा रहा है। ज़मीनी स्तर पर लोगों को सशक्त बनाने का काम भी तेज़ी से चल रहा है, राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम के तहत 794हैंडलूम क्लस्टर में लगभग१2,000करोड़ का निवेश किया गया है। इससे 1.17लाख बुनकरों को बेहतर करधे मिले हैं और लगभग 90,000कामगारों को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है। वहीं, राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम के तहत हस्तशिल्प क्षेत्र में?1,335करोड़ से ज़्यादा का निवेश किया गया है। इसके अलावा, 1.5 लाख से ज़्यादा बुनकरों को गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस(जेम) से जोड़ा गया है और बुनकर मुद्रा योजना के तहत लगभग 3लाख लोगों को बिना गारंटी के ऋण दिए गए हैं। अपने घरेलू निर्माताओं, कारीगरों और अन्वेषकों को सीधे वैश्विक बाज़ार से जोड़कर, इन व्यापक सुधारों ने हमें उस बड़े वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ने के लि ए तैयार किया है, जिसकी झलक इस हप्ते देखने को मिल रही है।आज जब हम भारत मंडपम के जीवंत प्रदर्शनी हॉलों पर नजर डा लते हैं, तो हमारा नज़रिया इस व्यापार प्रदर्शनी के तात्कालिक दायरे से कहीं आगे तक विस्तृत होता नजर आता है। यह आयोजन भारत के वस्त्र उद्योग को 350बिलियन डॉलर के वैश्विक शक्ति केंद्र में बदलने के हमारे विजन 203० रोडमैप में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो विकसित भारत अ्व 2047के राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। मैं आप सभी को भारत टेक्स 2026में अगले चार दिनों तक हमारे साथ जुड़ने के लिए आमंत्रित करता हूँ, ताकि आप हमारे श्रमिकों की अविश्वसनीय शक्ति, हमारे रचनाकारों के शानदार नवाचारों और वैश्विक वक्त्रों के भविष्य को देख सकें, जिन्हें गर्व से भारत में डिज़ाइन किया गया है, टिकाऊ तरीके से निर्मित किया गया है और बड़े पैमाने पर एकीकृत किया गया है।

स्वामी, प्रकाशक राजेश त्यागी एवं मुद्रक अभिन्न कुमार द्वारा अभी प्रिटिंग प्रेस 17, जी फ्लोर, नियर पीठ बाजार पुलिया जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड

249408 से मुद्रित कर 1030, सेक्टर 18, ब्लाक ई, ओमेक्स सिटी, सोनीपत, हरियाणा-131029 से प्रकाशित किया। संपादक: राजेश त्यागी 9250993497

आंख लाल होना, खुजली या जलन होना सामान्य नहीं है, कंजक्टिवाइटिस के हो सकते हैं लक्षण, तुरंत डाक्टर को दिखाएं

मानसून में कंजक्टिवाइटिस तेजी से फैलने वाली बीमारी है। ये एक से दूसरे में आसानी से फैलने वाला संक्रमण है। अगर परिवार में किसी एक को कंजक्टिवाइटिस हो जाए तो करीबी संपर्क में रहने वाले परिवार के सदस्यों को भी खतरा रहता है। आमतौर पर इसे पिंग आई के नाम से जाना जाता है। ये वायरल कंजक्टिवाइटिस गंदे हाथों, तौलियों , तकिए के कवर, मोबाइल फोन और बार-बार आंख को छूने से फैलता है। ये किसी की आंखों में देखने मात्र से नहीं होता है। कंजक्टिवाइटिस कैसे फैलता है

शारदा हॉस्पिटल के इंटरनल मेडिसिन डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉ भुमेश त्यागी ने बताया कि वायरल कंजक्टिवाइटिस , सबसे आम प्रकार है जो तेजी से फैलता है। अगर किसी को इंफेक्शन हो रखा है तो उसके हाथ से दूसरे हाथ छूने से, तौलिये, तकिए और दूसरी पर्सनल चीजों के सीधे संपर्क में आने से ये फैलता है। स्कूल जाने वाले बच्चे अक्सर तेजी से इसकी चपेट में आते हैं। नजदीकी संपर्क में आने पर ये माता-पिता या भाई-बहनों तक में फैल सकता है। पहले ये एक आंख में होता है और फिर दूसरी आंख में फैल जाता है।

कंजक्टिवाइटिस के लक्षण

लाल या गुलाबी आंखें



खुजली या जलन
बहुत अधिक टूटन
आंख से गाढ़ा पानी आना
आंखों से स्राव होना

पलकों पर पपड़ी जमना
खासतौर से सुबह आंख चिपक जाना
प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता
आंखों में किरकिरापन

कितने दिन रहता है कंजक्टिवाइटिस संक्रमण

आमतौर पर 7-14 दिनों तक या जब तक आंखें लाल , पानीदार और पानी बहना बंद न हो जाएं, तब तक संक्रमण बना रहता है। संक्रमण फैलने की संभावना पहले 3से 5दिनों में सबसे ज्यादा होता है। जब परिवार के किसी एक सदस्य को कंजक्टिवाइटिस हो जाता है, तो साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें। क्योंकि इससे पूरे परिवार में एक से दूसरे में ये फैल सकता है।

कंजक्टिवाइटिस को फैलने से कैसे रोकें

अपने हाथों को साबुन और पानी से बार-बार धोएं।

आंखों को छूने या रगड़ने से बचें।

तौलिए , तकिए, स्माल, आंखों का मेकअप या कॉन्टैक्ट लेंस शेयर न करें।

जिन जगहों को बार-बार छूते हैं उन्हें नियमित रूप से साफ करें।

स्कूल या काम पर जाने से पहले डॉक्टर की सलाह लें

डॉक्टर को कब दिखाएं

अगर कंजक्टिवाइटिस के साथ शरीर में कुछ और भी लक्षण दिखाई दें तो डॉक्टर से सलाह लें।

आंखों में तेज दर्द

धुंधला दिखाई देना

पनीर चिली तो खूब खाई होगी, अब घर पर ट्राई करें स्पाइसी एग चिली

अगर आप पनीर चिली से कुछ अलग ट्राई करना चाहते हैं, तो इस बार स्पाइसी एग चिली जरूर बनाएं। यह डिश स्वाद में



लाजवाब होने के साथ-साथ प्रोटीन से भी भरपूर होती है। आइए जानते हैं घर पर रेस्टोरेंट-स्टाइल स्पाइसी एग चि ली बनाने की आसान रेसिपी।

6 उबले अंडे, एक शिमला मिर्च, एक प्याज, एक प्याज, दो हरी मिर्च , हरा धनिया, लहसुन 15-20लौंग, अदरक 1-2इंच, कॉर्न फ्लोर 6बड़े चम्मच, मैदा 3बड़े चम्मच, बेकिंग पाउडर 1टीएसपी, अंडे का सफेद भाग, काली मिर्च पाउडर एक चुटकी, नमक, आवश्यकतानुसार ठंडा पानी, तेल, कॉर्न फ्लोर 1 बड़ा चम्मच, सोया सॉस 1 चम्मच , डार्क सोया सॉस आधा चम्मच, सिरका आधा चम्मच. काली मिर्च पाउडर एक चुटकी, नमक एक चुटकी, ताजा धनिया

सबसे पहले 6 अंडा बाँयल कर लें। अब सके बाद शिमला मिर्च, प्याज को मोटा मोटा काटें। अब, अदरक, लहसुन हरी मिर्च और धनिया को चॉपर में चॉप करें।

प्रोस्टेट कैंसर की देर से पहचान बन सकती है गंभीर परेशानियों की वजह, एक्सपर्ट ने बताया बड़े खतरे

भारतीय पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर दूसरा सबसे आम कैंसर बन गया है। डॉक्टरों के मुताबिक , चुनौती केवल प्रोस्टेट कैंसर के बढ़ते मामलों की नहीं है, बल्कि बीमारी की पहचान में होने वाली देरी भी बड़ी चिंता है। पश्चिमी देशों में नि यमित स्क्रीनिंग के जरिए प्रोस्टेट कैंसर का शुरुआती चरण में पता चल जाता है, लेकिन भारत में कई मरीज तब डॉक्टर के पास पहुंचते हैं जब कैंसर प्रोस्टेट से बाहर फैल चुका होता है। ऐसे मामलों में कैंसर हड्डियों और रीढ़ की हड्डी तक पहुंच सकता है, जिससे गंभीर न्यूरोलॉजिकल समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

जागरूकता बढ़ी, लेकिन इलाज के लिए अब भी देर से पहुंच रहे हैं मरीज

सर गंगा राम अस्पताल के यूरो-ऑन्कोलॉजिस्ट और रोबोटिक सर्जन डॉ . अश्विन मलाया ने कहा ,“पहले प्रोस्टेट कैंसर के ज्यादातर मरीज बड़े शहरों से आते थे , लेकिन अब छोटे शहरों से भी बड़ी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं। यह जागरूकता बढ़ने का संकेत है, लेकिन कई पुरुष अब भी बीमारी के काफी बड़ जाने के बाद इलाज के लिए पहुंचते हैं।

प्रोस्टेट कैंसर से हो सकती हैं ये अन्य समस्याएं

डॉ. अश्विन मलाया कहते हैं कि, जब प्रोस्टेट कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में फैलता है तो यह अक्सर रीढ़ की हड्डी को प्रभावित कर सकता है। इससे कमर दर्द, पैरों में कमजोरी,



चलने में परेशानी, सुव्रपन या झुनझुनी और पेशाब या मल पर नियंत्रण खत्म होना गंभीर संकेत हो सकते हैं। ये लक्षण रीढ़ की हड्डी पर दबाव यानी स्पाइनल कॉर्ड कम्प्रेशन की ओर इशारा कर सकते हैं, जो एक मेडिकल इमरजेंसी है।

किन संकेतों को नहीं करना चाहिए

नज़रअंदाज़

डॉक्टर कहते हैं कि लगातार पेशाब संबंधी समस्याओं , हड्डियों में दर्द या लंबे समय से बने कमर दर्द को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि परिवार में प्रोस्टेट कैंसर का इतिहास रहा हो, तो इससे पहले भी जांच की आवश्यकता हो सकती है। समय पर जांच ही प्रोस्टेट कैंसर के न्यूरोलॉजिकल

नुकसान से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है।

प्रोस्टेट कैंसर की शुरुआती जांच के लिए कौन से टेस्ट करने चाहिए

डॉ . अश्विन मलाया के अनुसार, शुरुआती चरण में पता चलने पर प्रोस्टेट कैंसर का इलाज काफी प्रभावी तरीके से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रोस्टेट कैंसर की शुरुआती जांच में प्रोस्टेट-स्पेसिफिक एंटीजन (P S A) ब्लड टेस्ट महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि PSA का स्तर असामान्य हो या जांच के दौरान कैंसर का संदेह हो, तो मल्टी-पैरामेट्रिक एमआरआई और MRI-TRUS फ्यूजन बायोप्सी जैसी जांचों की मदद ली जाती है।

एरोबिक्स बनाम जैजसाइज: दोनों में से कौन-सी एक्सरसाइज है ज्यादा लाभदायक

एरोबिक्स और जैजसाइज दोनों ही ऐसी एक्सरसाइज हैं, जो शरीर को फिट रखने में मदद करती हैं। जहां एरोबिक्स में पारंपरिक व्यायाम शामिल हैं, वहीं जैजसाइज में नाच-गाने का भी तत्व होता है। दोनों का अपना अलग-अलग महत्व और फायदे हैं। इस लेख में हम इनके बीच के अंतर और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों की तुलना करेंगे , जिससे यह समझने में मदद मिलेगी कि आपके लिए कौन सी एक्सरसाइज बेहतर है।

एरोबिक्स एक ऐसी एक्सरसाइज है, जिसमें तेज गति वाले व्यायाम शामिल होते हैं। यह सांस लेने की प्रणाली को बेहतर बनाने और शरीर की ऊर्जा को बढ़ाने में मदद करता है। एरोबिक्स में दौड़ना, तैरना, साइकिल चलाना आदि शामिल होते हैं। यह आपके दिल और फेफड़ों को मजबूत बनाता है, जिससे खून का संचार बेहतर होता है। इसके अलावा यह वजन कम करने और मांसपेशियों को मजबूत करने में भी मदद करता है।

जैजसाइज क्या है

जैजसाइज एक नाच-गाने पर आधारित एक्सरसाइज है, जिसमें विभिन्न प्रकार के संगीत और डांस स्टेप्स शामिल होते हैं। यह न केवल आपके दिल की धड़कन को बढ़ाता है बल्कि आपको मजेदार तरीके से फिट रखने में मदद करता है। जैजसाइज करने से तनाव कम होता है और



मानसिक सेहत बेहतर होती है। यह शरीर की लचीलापन को बढ़ाता है और कैलोरी बर्न करने में भी मदद करता है।

दोनों एक्सरसाइज का अंतर

एरोबिक्स और जैजसाइज दोनों ही व्यायाम हैं, लेकिन इनके तरीके अलग हैं। एरोबिक्स में पारंपरिक व्यायाम शामिल होते हैं, जबकि जैजसाइज में नाच-गाने का तत्व होता है।

एरोबिक्स के लिए किसी विशेष उपकरण की आवश्यकता नहीं होती, जबकि जैजसाइज में कभी-कभी विशेष उपकरणों का उपयोग किया जा सकता है।

दोनों का उद्देश्य शरीर को फिट रखना है, लेकिन इनके तरीके अलग-अलग हैं।

स्वास्थ्य पर प्रभाव

दोनों ही एक्सरसाइज का सेहत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। एरोबिक्स करने से दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। यह वजन कम करने और मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद करता है। जैजसाइज करने से तनाव कम होता है और मानसिक सेहत बेहतर होती है। यह शरीर की लचीलापन को बढ़ाता है और कैलोरी बर्न करने में भी मदद करता है।

सेब से कम फायदेमंद नहीं है अमरूद, डाक्टर बताते हैं क्यों रोज खाना चाहिए



अमरूद के फायदों को आम लोग कम आंकते हैं, जबकि डॉक्टर अमरूद को सेब जितना फायदेमंद बताते हैं। सीजन पर रोजाना 1 अमरूद खाने से वही फायदे मिलते हैं जो आपको सेब खाने पर मिलते हैं। बिना सीजन के सेब खाना कई बार महंगा पड़ जाता है, ऐसे में सीजनल अमरूद काफी सस्ता और फायदों में सेब जितना असरदार फल है। कुछ मामलों में तो अमरूद सेब से भी ज्यादा अच्छा है। अमरूद में विटामिन सी की मात्रा सेब से कहीं ज्यादा पाई जाती है। वहीं अमरूद में पाया जाने वाला फाइबर पेट के लिए बेहतरीन है। कुल मिलाकर पोषण के मामले में अमरूद महंगे फल सेब से जरा भी कम नहीं है।शारदा हॉस्पिटल के इंटरनल मेडिसिन डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉक्टर भुमेश त्यागी ने बताएं रोज अमरूद खाने के फायदे।

इम्युनिटी बढ़ाएं- अमरूद में विटामिन C की मात्रा काफी ज्यादा होती है जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में असरदार काम करता है। रोजाना अमरूद खाने से सर्दी-जुकाम, सीजनल बीमारी और नॉर्मल इंफेक्शन का खतरा कम होता है। सेब की तुलना में अमरूद में विटामिन सी काफी ज्यादा पाया जाता है।

पाचन रखे दुरुस्त- फाइबर के मामले में सेब और अमरूद दोनों ही अच्छे फल हैं, लेकिन सेब से

अमरूद में ज्यादा फाइबर होता है। अमरूद खाने से कब्ज की समस्या कम होती है और पाचन बेहतर बनता है। अमरूद खाने से पेट काफी देर तक भरा रहता है और वजन भी कम होता है। कब्ज की समस्या वालों को अमरूद डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

दिल के लिए फायदेमंद- अमरूद में मौजूद पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने और बैड कोलेस्ट्रॉल को घटाने में असरदार होते हैं। इससे हार्ट की बीमारियों का खतरा कम होता है। वहीं सेब में पॉलीफेनॉल, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो हार्ट हेल्थ के लिए बेहतरीन काम करते हैं। दोनों ही कोलेस्ट्रॉल घटाने का काम करते हैं।

डायबिटीज में फायदेमंद- ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए सेब और अमरूद दोनों अच्छे फल हैं। दोनों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स लो है लेकिन अमरूद में फाइबर ज्यादा होने की वजह से ये खून में शुगर के स्तर को तेजी से बढ़ने नहीं देता। डायबिटीज के रोगियों के लिए सेब से बेहतरीन काम अमरूद करता है।

त्वचा और वजन के लिए अच्छा- सेब से ज्यादा अमरूद त्वचा के लिए फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमें विटामिन C और एंटीऑक्सीडेंट ज्यादा होते हैं। अमरूद खाने से कोलेजन बढ़ता है।

झटपट बनाकर खाएं ठेचा पाव की ये नई रेसिपी, खाने में तीखी और चटपटी, बनाने में बेहद आसान

शाम को चाय के साथ कुछ चटपटा खाना हो तो आप ठेचा बड़ा पाव खा सकते हैं। ठेचा पाव खाने में बहुत टेस्टी लगता है। इसे हरी मिर्च के मसाले के साथ तैयार किया जाता है। ठेचा पाव को



बनाना बहुत आसान है और आपको एकदम स्टीट वाला स्वाद मिलेगा। बारिश के मौसम में जब कुछ तीखा और गर्म खाने का मन हो आप ठेचा पाव बनाकर खा सकते हैं। फटाफट नोट कर लें ठेचा पाव की रेसिपी।

पहला स्टेप- सबसे पहले 8-10 कम तीखी हरी मिर्च को मोटा-मोटा टुकड़ों में काट लें। 10-12 लहसुन की कली छील लें और काट लें। अब आधा कप मूंगफली को बारीक रोस्ट कर लें और मूंगफली के छिलके हटा दें। एक पैन में 2चम्मच तेल डालें। इसमें कटी हुई हरी मिर्च डालकर इसे 2मिनट के लिए भूत लें। तेल में लहसुन डालें और इसे भी मिर्च के साथ भूतें।

दूसरा स्टेप- इसमें 1 चम्मच जीरा डालें और मोटा कटा हरा धनिया डाल दें। ऊपर से थोड़ा नमक और भुनी हुई मूंगफली डाल दें। सारी चीजों को मिक्सर में डालकर दरदरा पीस लें। अब पाव लें और उन्हें तवे पर हल्का सेंक लें। पाव में स्टफिंग के लिए 2 उबले हुए आलू कद्दूकस कर लें। इसमें 2चम्मच पिसा हुआ ठेचा मसाला डालें।

तीसरा स्टेप- अब 2-3 चम्मच शिमला मिर्च, थोड़ा बारीक कटा टमाटर , प्याज डालें। ऊपर से चीज कद्दूकस करके डालें, हरा धनिया , चिली फ्लेक्स डाल दें। तवे पर थोड़ा मक्खन डालें और उसमें तैयार की कई मूंगफली की चटनी डालें। हल्का भूतें और इसमें पाव को रगड़ते हुए लगाएं। अब चीजों में आलू की स्टफिंग भरें और ऊपर नीचे मूंगफली वाला ठेचा मसाला लगाएं। बड़ा को सेंक लें और गर्मागर्म सर्व करें।

चौथा स्टेप- एक बार इस तरह से बड़ा पाव बनाकर जरूर खाएं। इसका तीखा और चटपटा स्वाद आपके सारे टेस्ट बड्स खोल देगा। इस तरह बड़ा पाव का स्वाद सभी घर वालों को खूब पसंद आएगा।

क्या डैंड्रफ ही खुजली दार स्कैल्प की वजह है जानें 5 अन्य कारण



स्कैल्प यानी खोपड़ी में खुजली का मतलब हमेशा डैंड्रफ नहीं हो ता। कई बा र इसके पीछे अलग-अलग कारण होते हैं। इस लेख में हम जानेगे कि खुजली के पीछे किन-किन कारणों का हाथ हो सकता है और उनसे कैसे छुटकारा पाया जा सकता है। इससे आप सही कारण जानकर बेहतर तरीके से इलाज कर पाएंगे और समस्या से राहत मिल सकेगी।

बालों की रूखी प्रकृति

अगर आपके बाल बहुत ज्यादा सूखे हैं, तो इससे खोपड़ी में खुजली हो सकती है। बालों में नमी की कमी होने पर सिर की त्वचा भी सूख जाती है, जिससे खुजली होने लगती है।

इस समस्या से राहत पाने के लिए हफ्ते में दो बार तेल मालिश करें। इसके अलावा नमी देने वाले शैंपू का इस्तेमाल करें और कंडीशनर भी लगाएं ताकि बालों को नमी मिल सके और सिर की त्वचा स्वस्थ रहे।

एलर्जी का प्रभाव

कभी-कभी नए हेयर केयर प्रोडक्ट्स या किसी खाने की चीज से एलर्जी होने पर भी खोपड़ी में खुजली हो सकती है।

अगर आपने हाल ही में कोई नया शैंपू या कंडीशनर इस्तेमाल किया हो या फिर किसी नई चीज का सेवन किया हो तो यह समस्या हो सकती

है। इसके लिए सबसे पहले यह पता लगाएं कि आपको किस चीज से एलर्जी है और उसे अपने जीवनशैली से दूर रखें।

धूप का असर

गर्मियों में तेज धूप भी खोपड़ी की खुजली का कारण बन सकती है। धूप की वजह से सिर की त्वचा जल सकती है या फिर उसमें जलन हो सकती है, जिससे खुजली होने लगती है।

इसके लिए अपने सिर को धूप से बचाने के लिए टोपी पहनें या फिर स्काफ बांधें। इसके अलावा सुबह या शाम के समय बाहर निकलें जब धूप कम तेज हो। इससे आपकी खोपड़ी सुरक्षित रहेगी और खुजली की समस्या भी कम होगी।

मानसिक तनाव

तनाव भी खोपड़ी की खुजली का एक अहम कारण हो सकता है। जब हम तनाव में रहते हैं तो हमारे शरीर का पूरा संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे सिर की त्वचा भी प्रभावित होती है।

इस समस्या से राहत पाने के लिए ध्यान, योग या फिर गहरी सांस लेने वाले व्यायाम करें। इसके अलावा अपनी दिनचर्या में थोड़ी शांति और आराम शामिल करें ताकि आपका मन शांत रहे और तनाव कम हो सके।

बोल बच्चन के बाद भी 10 साल तक नहीं मिला एक भी आफर, अर्चना पूरन सिंह ने बयां किया बालीवुड का कड़वा सच



कार्यप्रणाली पर तंज कसते हुए कहा कि हमारी फिल्म इंडस्ट्री बेहद अजीब और अप्रत्याशित है। टीवी के व्यस्त शेड्यूल और 'हंसने वाली इमेज' ने बिगाड़ा खेल करियर में आए इस लंबे ठहराव के कारणों पर बात करते हुए अर्चना ने माना कि टीवी की

व्यस्तता भी इसका एक बड़ा कारण रही। बहुत से फिल्म मेकर्स को लगता था कि वे टीवी के कॉमेडी शोज़ में इतनी मसरूफ हैं कि फिल्मों के लिए टेड्स नहीं निकाल पाएंगी। इस वजह से जब उन्हें स्कॉटलैंड जैसे देशों में 15दिनों के आउटडोर शूटिंग शेड्यूल वाले कुछ अच्छे रोल ऑफर भी हुए तो

टीवी कमिटमेंट्स के कारण वे उन्हें स्वीकार नहीं सकीं। इसके अलावा, अर्चना ने एक और बड़ी समस्या का जिक्र करते हुए कहा कि वे निर्देशकों को यह समझाने में नाकाम रही हैं कि वे मूल रूप से एक एक्ट्रेस हैं। आज भी ज्यादातर लोग उन्हें सिर्फ एक ऐसी शख्सियत के रूप में देखते हैं जो नवजोत सिंह सिद्धू की तरह जज की कुर्सी पर बैठकर जोर-जोर से हंसती है। इससे पहले एक्ट्रेस ने फिल्मों में आने पर बात की थी। उन्होंने खुलासा किया था कि वो एक होनहार छात्र थी। पढ़ाई में काफी अच्छे होने की वजह से उनके टीचर्स को उम्मीद थी कि वो आईएएस या फिर आईएफएस अधिकारी ही बनेंगी, लेकिन जब वो फिल्मों में आईं और मुंबई आने का फैसला किया तो उनकी टीचर्स की उम्मीदें टूट गईं, लेकिन एक्ट्रेस का कहना है कि अब उनकी सफलता को देखकर वो गर्व महसूस करते होंगे। फिलहाल अर्चना पूरन सिंह नेटफ्लिक्स के लोकप्रिय शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में अपनी थीका तड़का लगा रही हैं। हालांकि, वे अब अपनी इस इमेज को तोड़कर एक्टिंग की दुनिया में दमदार वापसी करने जा रही हैं। वे जल्द ही वेब सीरीज 'आदर्श बाल विद्यालय' में एक अहम किरदार में नजर आएंगी, जिसमें दिग्गज अभिनेता केके मेनन मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। यह सीरीज 24 जुलाई से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने के लिए पूरी तरह तैयार है। अर्चना को उम्मीद है कि 'टोस्टर' और 'आदर्श बाल विद्यालय' जैसी सीरीज के बाद फिल्म मेकर्स का नजरिया बदलेगा और उन्हें बड़े पर्दे पर कम से कम दो-तीन बेहतरीन फिल्में करने का मौका जरूर मिलेगा।

जंतर-मंतर प्रदर्शन को मिला नंदिता दास और शबाना आज़मी का समर्थन, लोकतंत्र और शिक्षा सुधार की उड़ाई आवाज

काँकरोच जनता पार्टी(सीजेपी) के प्रदर्शन को फिल्म अभिनेत्री नंदिता दास और मशहूर अभिनेत्री शबाना आज़मी का समर्थन मिला है। सोमवार को नंदिता दास ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा कि वह देश के उन लोगों के



साथ खड़ी हैं जो लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। उन्होंने लिखा, 'मैं उन सभी लोगों के साथ एकजुटता से खड़ी हूँ जो मानते हैं कि लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब लोग इकट्ठा हो सकें, बोल सकें, सुन सकें और उनकी बात सुनी जा सके। रचनात्मक असहमति ही लोकतंत्र को जीवित रखती है। उन सभी लोगों के साथ एकजुटता में जो आज दिल्ली में उस भारत के लिए शांतिपूर्ण मार्च कर रहे हैं जिसमें हम विश्वास करते हैं। शबाना आज़मी ने विरोध स्थल से एक तस्वीर शेयर की जिसमें वह एक ट्रक पर दिख रही हैं और बैकग्राउंड में एक्टर प्रकाश राज हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'ट्रक में हैं। सरकार ने आखिरकार बातचीत करने के लिए कहा है। यह शैक्षिक सुधारों के लिए जंतर-मंतर पर एक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन है। उन्होंने एक वीडियो भी अपलोड किया जिसमें वह प्रदर्शनकारियों के बीच दिख रही हैं और अपना समर्थन जता रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'उन सभी साथियों को सलाम जो यहाँ इतना कुछ सहने के बाद भी एकजुट हुए हैं।

मुन्ना भाई एमबीबीएस और गंगाजल जैसी ब्लॉक बस्टर फिल्में देने के बाद क्यों बरलीवुड से दूर हुई ग्रेसी सिंह

ग्रेसी सिंह का नाम उन अभिनेत्रियों में शामिल है, जिन्होंने बेहद कम समय में अपनी सादगी, सहज अभिनय और दमदार किरदारों के दम पर दर्शकों



के दिलों में खास जगह बनाई। साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म 'लगान' ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। इस फिल्म में अमिर खान के साथ उनकी जोड़ी को खूब पसंद किया गया और उनकी मामूिम अदाकारी ने हर किसी का दिल जीत लिया। हालांकि, शानदार शुरुआत और कई सफल फिल्मों के बावजूद ग्रेसी सिंह धीरे-धीरे बॉलीवुड से दूर होती चली गईं। ग्रेसी सिंह ने अपने करियर की शुरुआत एक डॉक्टर के रूप में की थी। वह 'द प्लेनेट्स' डॉस ग्रुप के साथ कई स्टेज शो और टूर का हिस्सा रहीं। इसके बाद उन्होंने 1997 में टीवी सीरियल 'अमानत' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा। छोटे पर्दे पर पहचान बनाने के बाद उन्हें

अशुतोष गोवारिकर की फिल्म 'लगान': वन्स अपॉन ए टाइम इन इंडिया में काम करने का मौका मिला। अमिर खान द्वारा निर्मित इस फिल्म में ग्रेसी ने गौरी का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। 'लगान' न केवल बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई, बल्कि इसे ऑस्कर के बेस्ट फॉरिन लैंग्वेज फिल्म कैटेगरी में भी नामांकन मिला। यह सम्मान पाने वाली 'मदर इंडिया और 'सलाम बॉम्बे के बाद तीसरी भारतीय फिल्म बनी। इस सफलता के बाद ग्रेसी सिंह बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं।

इसके बाद उन्होंने 'मुन्ना भाई एमबीबीएस गंगाजल' और 'अरमान' जैसी फिल्मों में काम किया। 'मुन्ना भाई एमबीबीएस और 'गंगाजल' को बड़ी सफलता मिली, लेकिन 'अरमान' बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। इसके बाद उनकी कई फिल्मों में, जैसे 'चंचल', 'देशद्रोही' और 'देख भाई देख' लगातार फ्लॉप होती रहीं। इन असफलताओं का असर उनके करियर पर साफ दिखाई दिया और उन्हें बॉलीवुड में पहले जैसी पहचान नहीं मिल सकी। हिंदी फिल्मों में सफलता कम होने के बाद ग्रेसी सिंह ने तमिल, तेलुगु, मलयालम, गुजराती, पंजाबी और बंगाली फिल्मों में भी काम किया। हालांकि, वहां भी उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली। आखिरकार उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली। ग्रेसी ने कई इंटरव्यू में कहा है कि अभिनय उनके जीवन का अंतिम लक्ष्य कभी नहीं था और न ही उन्हें सुपरस्टार बनने की कोई विशेष इच्छा थी।

मिक्सटेप के नए सीजन में व्यस्त हैं अभिजीत वधानी, बोले-मेरा पूरा फोकस यहीं

म्यूजिक कंपोजर-प्रोड्यूसर और बैकग्राउंड स्कोर डायरेक्टर अभिजीत वधानी बॉलीवुड इंडस्ट्री में काफी समय से काम कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में आईएनएनएस के साथ बातचीत में



बताया कि इस समय वे टी-सीरीज मिक्सटेप के आगामी सीजन पर काम कर रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि उनके इतने सारे क्रिएटिव प्रोजेक्ट्स में से इस समय उन्हें सबसे ज्यादा व्यस्त कौन सा काम रख रहा है, तो उन्होंने कहा, 'अभी के लिए मेरा पूरा ध्यान 'मिक्सटेप' पर है। इसके बाद मेरी अकादमी का काम है। फिर मैंने हाल ही में कॉन्कटेल 2 का काम पूरा किया है और बॉलीवुड में आगे भी कई फिल्में आने वाली हैं। उन्होंने कहा, 'मैं खुद को बॉलीवुड का हिस्सा मानता हूँ। पिछले 27 साल में मैंने कई फिल्मों के लिए काम किया है। 'सूरज' डूबा है, 'हाई हील्स', आज की पार्टी' और 'देसी बॉयज' जैसे कई गानों का सफर बहुत खास रहा है। यह महसूस करना बहुत अच्छा लगता है कि बॉलीवुड ने मुझे एक प्रोफेशनल और टॉप कैटेगरी के कलाकार के रूप में स्वीकार किया है, जो हमेशा मेरा सपना था। इसके लिए मैं बहुत आभारी हूँ। मिक्सटेप के बारे में बताते हुए अभिनेता ने कहा, 'मिक्सटेप हमेशा से मेरा पसंदीदा रहा है। 9 साल पहले हमने एक सीजन किया था, जहां हम 'मिक्सटेप' में कुछ चीजें आजमाना चाहते थे।

ऋतिक रोशन से प्रेरणा लेकर निभाया ‘गुल्लक-5 में’ डॉ पृथ्वी का किरदार:सिद्धार्थ मिश्रा

मुंबई। अभिनेता सिद्धार्थ मिश्रा टी वीएफ की लोकप्रिय वेब सीरीज 'गुल्लक-5' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस सीजन में उन्होंने डॉ. पृथ्वी दत्ता की भूमिका निभाई है, जिसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। डॉ. पृथ्वी दत्ता की भूमिका को लेकर अभिनेता ने बताया कि निर्देशक अभय राउत ने उन्हें इस किरदार को निभाने के लिए फिल्म 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में ऋतिक रोशन के किरदार से प्रेरणा (सीख) लेने की सलाह दी थी। सिद्धार्थ मिश्रा ने कहा, 'निर्देशक अभय राउत ने मुझे इस किरदार को निभाने के लिए बहुत आसान निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा था कि 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में ऋतिक रोशन के किरदार के अंदाज और व्यक्तित्व से प्रेरणा लेना, लेकिन उसकी तकल बिल्कुल नहीं करनी है। अभिनेता ने कहा, 'डॉ. पृथ्वी दत्ता अपने काम को लेकर बेहद गंभीर और हमेशा नंबर 1 बनने की कोशिश करता है, लेकिन अपनी इसी महत्वाकांक्षा का असर उनकी निजी जिंदगी पर भी पड़ता है, जैसा कि 'गुल्लक 5' के आखिरी एपिसोड में देखने को मिलता है। एक्टर ने बताया कि कई स्क्रिप्ट-रीडिंग सेशन ने उन्हें लिखे हुए सीन से आगे डॉ. पृथ्वी की पर्सनेलिटी को समझने में मदद की। उन्होंने कहा, बार स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद समझ में आया कि मेरा किरदार साफ-सफाई और सेहत को लेकर काफी सजग है। इस वजह से पहले सीन में अनु (अनंत जोशी द्वारा निभाया गया किरदार) से बात करते हुए मेरा डायलॉग आता है, यार, हाथ तो धो लिए हैं, लंच के बाद ही हाथ मिलाते हैं।



अभिनेता ने बताया कि उन्होंने अपने किरदार की इसी खासियत को आजमाते हुए एक लाइन जोड़ी, जो स्क्रिप्ट में नहीं थी। उन्होंने बताया, 'मैंने जोड़ा था कि पृथ्वी, डॉ. प्रीति के केबिन का दरवाजा हाथ से नहीं बल्कि अपनी कोहनी से खोलता है, ताकि उसे कीटाणु न लगें। वह इसी अंदाज और सोच के साथ केबिन में आता है और पूरे सीन में यह बात नजर आती है। वहीं, पृथ्वी और डॉ. प्रीति एक-दूसरे से अलग होते हैं। पृथ्वी अपनी फिटनेस और सेहत को लेकर इतना सजग है, तो डॉ. प्रीति छोले-भूरे और समोसे देखकर खुश हो जाती हैं।

TRP बढ़ाने के लिए मेकर्स का बड़ा फैसला, 7 साल बाद उड़ने की आशा की बदल जाएगी पूरी कहानी



स्टार प्लस का लोकप्रिय शो 'उड़ने की आशा' लंबे समय से अपनी कहानी और कास्ट के चलते चर्चा में है। अब टीआरपी में बने रहने के लिए मेकर्स नया गेम खेलने वाले हैं और कहानी 7 साल आगे बढ़ने वाली है। मेकर्स अब सीरियल की कहानी में एक भावनात्मक मोड़ लेकर आ रहा है। सचिन और सायली की जिंदगी सात साल आगे बढ़ चुकी है। समय भले ही आगे निकल गया हो, लेकिन किस्मत ने उनके हिस्से के दुख-सुख संभालकर रखे हुए हैं। अनुपमा X X वे रिश्ता क्या कहलाता है और क्योंकि एक सास भी कभी बहू थी 2 के बाद अब इस शो में लीप के बाद नया ड्रामा देखने को मिलेगा। उड़ने की आशा के लिए कंवर दिल्ली का बदला लुक अपकमिंग एपिसोड में दर्शकों को देखने को मिलेगा कि अपने बेटे के जिंदा होने और उनसे दूर पल-बढ़ रहे होने से अनजान सचिन और सायली अपनी बेटी पूर्णा के

साथ नई जिंदगी शुरू करते हैं। दोनों उस दर्द के साथ जी रहे हैं, जिसे वे अपनी कभी न भरने वाली कमी मान चुके हैं। 7 साल के लीप के बाद आने वाले एपिसोड्स में दर्शकों को प्यार, उम्मीद और दुख-सुख से भरा एक इमोशनल सफर देखने को मिलेगा। इस नए अध्याय के साथ कंवर दिल्ली भी एक नए लुक में दिखाई देंगे। अपने किरदार के लिए उन्होंने ढाई साल बाद पहली बार अपने बाल कटवाए हैं। 7 साल बाद बदली कहानी उड़ने की आशा अपनी इमोशनल कहानी से दर्शकों को बांधे हुए है। हाल के एपिसोड्स ने फैस का दिल जीत लिया है। वे सचिन और सायली की कहानी में आए नए मोड़ और इमोशनल गहराई को पसंद कर रहे हैं। रोशनी की साजिश ने जब उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल दी तब से सचिन और सायली देशमुख परिवार से अलग रह रहे हैं। अपने बच्चे को खोने के दुख से उबरते हुए,

इस कपल ने धीरे-धीरे अपनी एक छोटी लेकिन सुकून भरी जिंदगी बना ली है। उनकी खुशी की सबसे बड़ी वजह पंखुड़ी है, जिसकी वे बहुत प्यार और देखभाल से परवरिश कर रहे हैं। उसने उनकी जिंदगी में खुशियां भरी हैं और दुख के बावजूद उन्हें आगे बढ़ने में मदद की है। सचिन और सायली की बेटा का दमदार अंदाज पंखुड़ी की परवरिश में सचिन और सायली के संस्कार साफ झलकते हैं। सचिन की तरह ही वह भी अन्याय बर्दाश्त नहीं करती और अपने हक के लिए आवाज उठाने से कभी नहीं डरती। स्कूल में जब कोई लड़की पंखुड़ी और उसकी सहेली को परेशान करती है तो वह चुप नहीं रहती। मजबूत इरादों वाली और निडर पंखुड़ी डटकर मुकाबला करती है, जिससे साबित होता है कि उसे अपनी परवरिश करने वालों से ही हिम्मत और आत्मविश्वास मिला है।

बांद्रा में जान इब्राहिम का नया ठिकाना, 84 करोड़ रुपये में खरीदा आलीशान बंगला, 5 करोड़ सिर्फ स्टैप ड्यूटी

बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता जॉन इब्राहिम ने मुंबई के पॉथ इलाके बांद्रा वेस्ट में एक भव्य बंगला खरीदा है। प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन से जुड़े दस्तावेजों के अनुसार, इस शानदार डील की कुल कीमत 84 करोड़ रुपये तक की गई है। बांद्रा के प्रसिद्ध सेंट मार्टिन रोड पर स्थित इस प्रॉपर्टी में लगभग 1017.60 वर्ग मीटर का प्लॉट शामिल है। इसके अलावा, इस बंगले का मुख्य विल्ट-अप एरिया लगभग 193.12 वर्ग मीटर और लगभग 31.50 वर्ग मीटर का एक आउटहाउस भी इस सौदे का हिस्सा है। इस फ्रीहोल्ड संपत्ति का कनवेंस डीड 14 जुलाई 2026 को आधिकारिक रूप से रजिस्टर हुआ, जिसके लिए अभिनेता ने अकेले 5.04 करोड़ रुपये का भारी-भरकम स्टैप ड्यूटी चुकाया है। Liases Foras दस्तावेजों के मुताबिक इस प्रॉपर्टी को नौशिर इरुच दिवित्रे, फ्रेडोन इरुच दिवित्रे, क्रिस्टल फिरोज दिवित्रे और इरुच फिरोज दिवित्रे से खरीदा गया है। हालांकि इस मामले पर जॉन इब्राहिम या विक्रेताओं की ओर से कोई आधिकारिक टिप्पणी सामने नहीं आई है। यह पहला मौका नहीं है जब जॉन इब्राहिम ने मुंबई के प्रीमियम इलाके में कोई महंगी प्रॉपर्टी खरीदी हो। इससे पहले दिसंबर 2023 में भी उन्होंने मुंबई के खार इलाके में एक बड़ी डील की थी। उस समय अभिनेता ने खार की मशहूर लिक्विंग रोड पर 7722 वर्ग फीट जमीन पर बने 5416 वर्ग फीट के एक बंगले को 70.83 करोड़ रुपये में खरीदा था। इस संपत्ति के लिए उन्होंने 4.24 करोड़ रुपये की स्टैप ड्यूटी भरी थी और 27 दिसंबर 2023 को यह सौदा रजिस्टर हुआ था। खार जैसी प्रमुख व्यावसायिक और शैक्षणिक संस्थानों के नजदीकी लोकेशन पर उनका वह निवेश भी काफी चर्चा में रहा था। खार जैसी प्रमुख व्यावसायिक और शैक्षणिक संस्थानों के नजदीकी लोकेशन पर उनका वह निवेश भी काफी चर्चा में रहा था। मुंबई में क्यों बड़ रही है 'ट्रॉफी बंगलों की



दीवानगी विशेषज्ञों का मानना है कि मुंबई के सबसे विशिष्ट इलाकों, जैसे बांद्रा, जुहू और मालाबार हिल में अब स्वतंत्र या डेवलपेबल जमीन का मिलना बेहद मुश्किल हो गया है। इसी भूमि की भारी कमी के चलते इन इलाकों में मौजूद गिने-चुने बंगलों के दाम आसमान छू रहे हैं। प्रत्येक ऐसे सौदे में एक बहुत बड़ा स्कॉसिटी प्रीमियम जुड़ा होता है, जो इन्टें शहर की सबसे महंगी, दुर्लभ और प्रतिष्ठित रियल एस्टेट संपत्तियों में बदल देता है। यही कारण है कि हार्ड-प्रोफाइल हस्तियां और बड़े कारोबारी इन ऐतिहासिक और पारंपरिक बंगलों को खरीदने के लिए भारी-भरकम राशि खर्च करने से पीछे नहीं हट रहे हैं। शहर के अन्य चर्चित और महंगे बंगलों के सौदे केवल जॉन इब्राहिम ही नहीं, बल्कि मुंबई के लक्जरी हाउसिंग मार्केट में हाल के महीनों

में कई रिकॉर्ड-तोड़ सौदे देखने को मिले हैं। हाल ही में, नटंदास रियल्टी ने जुहू में स्थित एक स्पेनिश-शैली के ऐतिहासिक विला को 135 करोड़ रुपये में खरीदा है। विला विल्सन नाम के इस बंगले को विल्सन पेंस के परिवार ने पांच दशकों से अधिक समय तक अपने पास सहेज कर रखा था और यह अभिनेता अमिताभ बच्चन के प्रसिद्ध आवास 'जलसा के काफी करीब स्थित है। इसके अलावा कुछ महीने पहले जुहू का ही एक और प्रतिष्ठित समुद्रमुखी 'लीला बंगला 221 करोड़ रुपये में बिका था। नानावटी परिवार के स्वामित्व वाले इस 6BHK हेरिटेज आर्ट डेको बंगले को भी नटंदास रियल्टी ने ही खरीदा है। इस विशाल संपत्ति का प्लॉट 1355 वर्ग मीटर में फैला है, जिसमें लगभग 8480.68 वर्ग फीट का विल्ट-अप एरिया, लगभग 2500 वर्ग फीट की बड़ी छत और करीब 5000 वर्ग फीट का एक हरा-भरा गार्डन शामिल है।

हर्डल को देश में जैवलिन जैसी लोकप्रियता दिलाना चाहता हूं: तेजस शिर्से

नई दिल्ली (एजेंसी)

23साल के तेजस शिर्से 110-मीटर हर्डल्स(बाधा दौड़) में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक हैं। उनका अगला लक्ष्य कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स में देश के लिए पदक जीतना है। उन्होंने कहा कि वह देश में हर्डल को लोकप्रिय बनाना चाहते हैं। ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स से पहले आईएनएस से खास बातचीत में तेजस शिर्से ने कहा ,जीतना ही एकमात्र लक्ष्य है। मैं वहां जाकर यह नहीं कहना चाहता कि यह प्रक्रिया का हिस्सा है। प्रक्रिया मेरे लिए है। दुनिया के लिए जीत ही मायने रखती है। मुझे बस जीत की परवाह है। दुनिया भी जीत की ही परवाह करेगी। मैं दुनिया में सबसे अच्छा बनना चाहता हू। मैं जिस भी इवेंट में हिस्सा लूं, उसमें सबसे अच्छा बनना चाहता हू। अगर मेरी सोच ऐसी नहीं होगी, तो मैं कभी ऐसा नहीं कर पाऊंगा। मैं बस कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियाई खेलों में जाकर जीतना चाहता हूं—यही एकमात्र लक्ष्य है । कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में जगह बनाना तेजस शिर्से के लिए आसान नहीं रहा है। पिछले साल हर्डल के दौरान एक टक्कर के कारण उनके टखने में कई जगह चोट लग गई। उस वजह से उनका टखना तीन-चार जगहों से लगभग टूट गया था। उसके बाद, तेजस बहुत उदास हो गए थे।

उन्होंने कहा,‘‘सब कुछ सही करने के बावजूद, और बिना कुछ गलत किए भी, मेरे साथ ऐसा हो गया। मेरी रिकवरी रिलायंस फाउंडेशन की स्पोर्ट्स साइंस टीम की देखरेख में एक बेहतरीन सामूहिक प्रयास में हुई। इस टीम में कोच जेम्स हिलियर, फिजियोथेरेपिस्ट नीलेश मकवाना और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच क्षितिज भोइते शामिल थे। शुरुआत में उनका लक्ष्य मुझे बिना दर्द के दौड़ाना था। कॉमनवेल्थ गेम्स एक अत्यावहारिक लक्ष्य लग रहा था, लेकिन मैंने कोशिश करने का फैसला



किया।

शिर्से ने कहा,‘‘मैंने अप्रैल के बीच में ट्रेनिंग शुरू की और क्वालीफिकेशन मई के आखिर और जून की शुरुआत में होना था। इतने कम समय में क्वालीफाई करना और समय कम करना व्यावहारिक नहीं था। मेरे मन में यह बात थी कि अगर ऐसा हो जाता है, तो यह किसी चमत्कार से कम नहीं होगा। इसलिए, मैंने खुद को प्रेरित रखने के लिए इसे मिशन चमत्कार का नाम दिया और ऐसा हुआ भी।

शिर्से ने रांची में फेडरेशन कप में 13.67 सेकेंड और 13.50 सेकेंड का समय दर्ज किया। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शन के बाद मैंने अपनी सोच पर गहराई से काम किया। मैंने खुद से कहा कि

अगर मैं यहां से हार भी जाता हूं, तो इससे नीचे नहीं गिर सकता। क्यों न खुद को अपने स्तर पर और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का मौका दिया जाए । मैंने बस यही सोचा कि यह एक 'फ्री हिट' जैसा मौका है।शिर्से ने लुधियाना में फिनिश लाइन पार की, तो ट्रैक के किनारे लगी घड़ी पर समय 13.27 सेकंड दिखा- जो 13.39 सेकंड के जरूरी मानक से बेहतर था।

उन्होंने कहा,‘‘जब आप अच्छा प्रदर्शन नहीं करते, तो आपको लगता है कि सब खत्म हो गया, लेकिन अगर आप बहुत अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो लगता है कि अब मैं सबसे श्रेष्ठ हूं। मैं बहुत उतार-चढ़ाव से गुजरा हूं। उस रেস के बाद मैं खुश था। लेकिन दो-तीन घंटे बाद, मैं फिर उसी हालत में था।

वर्ल्ड कप हार नहीं पचा पाए अर्जेंटीना के खिलाड़ी, स्पेनिश प्लेयर्स से की हाथापाई, अब FIFA लगा सकता है बैन

वाशिंगटन (एजेंसी)

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मैच में

इस मामले की जांच शुरू कर दी है। इसमें दोषी पाए जाने वाले खिलाड़ियों पर कम से



अर्जेंटीना को स्पेन के हाथों 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। रविवार(19जुलाई) को खेले गए इस मुकाबले के खत्म होते ही दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच मैदान पर ही तीखी झड़प हो गई। अर्जेंटीना के मिडफील्डर लिएंड्रो पारेडेस स्पेन के डिफेंडर एरिक गार्सिया और गेबी से हाथापाई करने लगे। इस दौरान पारेडेस ने दोनों खिलाड़ियों का गला तक पकड़ लिया था। मैच पूरा होने के बाद पारेडेस की इस हरकत की वजह से उन्हें रेड कार्ड दिखा दिया गया। फीफा ने

कम तीन मैचों का बैन लग सकता है।

फीफा ने जांच के लिए किया है स्पेशल टीम का गठन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फीफा की डिסיप्लिन कमेटी ने इस पूरे मामले की जांच के लिए एक स्पेशल टीम को तैनात किया है, जो नियमों के उल्लंघन की जांच-पड़ताल करेगा। अगर जांच में खिलाड़ियों का व्यवहार हिंसक पाया जाता है , तो फीफा के अनुशासन नियमों (अनुच्छेद-14)के तहत उन पर कम से कम

तीन मैचों का बैन लगाया जा सकता है। इसके साथ ही, दोषियों पर जुर्माना ठोका जा सकता है और अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (AFA) पर भी सख्त कार्रवाई हो सकती है। मैच खत्म होने के बाद स्पेन और अर्जेंटीना के प्लेयर्स के बीच हुई थी झड़प दोनों टीमों के प्लेयर्स के बीच ये लड़ाई क्यों हुई इसकी असली वजह अभी तक सामने नहीं आई है। हालांकि सोशल मीडिया पर जो वीडियो सामने आया है उसमें देखा जा सकता है कि रेफरी के मैच खत्म करने की सीटी बजाते ही स्पेन के खिलाड़ी गार्सिया जमीन पर गिर पड़े। जब वे उठे, तो अर्जेंटीना के खिलाड़ी पारेडेस के साथ उनकी जोरदार बहस हो गई। इस दौरान पारेडेस ने गार्सिया की गर्दन पकड़कर उन्हें धक्का दे दिया। इतना ही नहीं, मैच खत्म होते ही अर्जेंटीना के डिफेंडर नाहुएल मोलिना ने भी स्पेन के एक सक्सीड्यूट प्लेयर के पेट में घूंसा मार दिया।स्पेन ने 16 साल के लंबे इंतजार के बाद एक बार फिर फुटबॉल वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम कर लिया है। अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक फाइनल मुकाबले में स्पेन ने 2022 की विजेता टीम अर्जेंटीना को 1-0 से मात दी। पूरे मैच में दोनों टीमों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली, लेकिन तय समय तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी।

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने सोमवार को बेल्जियम और नीदरलैंड में 15से 30अगस्त तक होने वाले एफआईएच वर्ल्ड कप के लिए 20 सदस्यीय पुरुष टीम की घोषणा की। इस टीम की कप्तानी हरमनप्रीत सिंह करेंगे। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और शा नदार युवा प्रतिभाओं का मेल है। गोलकीपिंग वि भाग में मोहित एचएस और सूरज करकेरा शामिल हैं, जबकि डिफेंस यूनिट में जरमनप्रीत सिंह, कप्तान हरमनप्रीत, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित और यशदीप सिवाच शामिल हैं। मिडफील्ड की कप्तान मनप्रीत, हार्दिक सिंह और विवेक सागर प्रसाद की तिकड़ी संभालेगी, साथ ही नीलाकांता शर्मा और होनहार युवा खिलाड़ी राजिंदर सिंह और आदित्य अर्जुन लालगे भी इसमें शामिल होंगे। अटैक की जिम्मेदारी मनदीप सिंह, दिलप्रीत सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह और शिलानंद लाकड़ा के कंधों पर होगी।

मुख्य कोच ब्रेग फुल्टन को भरोसा है कि चुनी गई टीम के पास भारतीय हॉकी के इतिहास में अपना अध्याय लिखने का शानदार मौका है।

टीम की बनावट पर अपने विचार रखते हुए फुल्टन ने कहा,‘‘यह एक संतुलित टीम है, जिसमें टूर्नामेंट के अनुभव और अच्छे फॉर्म में चल रहे युवाओं का सही मिश्रण है। इन युवाओं ने अपनी जगह अपने प्रदर्शन के दम पर बनाई है, न कि अपनी प्रतिष्ठा के कारण।

फुल्टन ने आगे कहा,‘‘दावा बनाना, जवाबी हमला करना और अच्छा प्रदर्शन करना सिर्फ हमारी रणनीतिक पहचान नहीं है। यह वह तरीका है जिससे यह ग्रुप हर दिन एक साथ ट्रेनिंग करता है और सोचता है। हम बहुत आगे की नहीं सोच रहे हैं। हम एक बार में एक ही मैच पर पूरा ध्यान देने की मानसिकता के साथ उतर रहे हैं।’’फुल्टन ने कहा,‘‘(1975)वर्ल्ड कप जीत(के बाद से 50साल हो गए हैं। इस टीम के पास भारतीय हॉकी के इतिहास में अपना एक नया अध्याय लिखने का मौका है। हम इसे लेकर वाकई बहुत उत्साहित

फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में मिली हार के बाद पहली बार मेसी ने तोड़ी चुप्पी, कहा इस जख्म को भरने में समय लगेगा

वाशिंगटन (एजेंसी)

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने फीफा वर्ल्ड कप फाइनल हारने के बाद पहली बार अपने दिल की बात कही है। अर्जेंटीना की हार के बाद उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया। मेसी ने अपने उस पोस्ट में स्पेन की टीम को बधाई दी है और साथ ही अपनी टीम के ओवरऑल परफॉर्मंस की तारीफ की है। हालांकि अपने पोस्ट में मेसी ने रिटायरमेंट को



लेकर किसी तरह को कई संदेश या हिंट नहीं दिया है। लियोनेल मेसी ने लिखा कि इस वक्त दुख बहुत ज्यादा है। इस जख्म को भरने में समय लगेगा, लेकिन मैंने अच्छी यादों को संजोकर रखने का फैसला किया है, उन सभी मैचों को जिन्हें हमने सबकुछ झोंककर पलट दिया। ऐसे पल हमेशा याद रहेंगे। मैं हमेशा पूरे देश के सपोर्ट को याद रखूंगा, जिसने इस ग्रुप के काम और कोशिशों के साथ मिलकर हमें एक बार फिर दुनिया की सबसे अच्छी टीमों में वापस ला दिया।मेसी ने आगे लिखा कि आज हमने जो हासिल किया, उसकी तारीफ करना मुश्किल है। लेकिन यह ग्रुप सच में लगातार दो वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचा है। हर बधाई और हर मैसेज के लिए दिल से शुक्रिया। एक बार फिर हम एक देश के तौर पर एक साथ आए और अर्जेंटीना होने का बहुत गर्व महसूस करते हुए एक साथ खड़े रहे। मैं स्पेन को भी वर्ल्ड कप जीतने पर बधाई देना चाहता हूं। बता दें कि मेसी ने इस वर्ल्ड कप में 8गोल किए और सबसे ज्यादा गोल करने के मामले में दूसरे नंबर पर रहे।स्पेन ने 16साल के लंबे इंतजार के बाद एक बार फिर फुटबॉल वर्ल्ड कप जीत लिया है। अमेरिका के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में स्पेन ने पिछली बार की चैंपियन टीम अर्जेंटीना को 1-0से हरा दिया।

एफआईएच हाकी पुरुष, वर्ल्ड कप में हरमनप्रीत भारत की कप्तानी करेंगे



हैं।’’

इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स के साथ पूल डी में शामिल भारत अपने सभी पूल-स्टेज मैच एमस्टेलवीन, नीदरलैंड में खेलेगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत 15अगस्त को वेल्स के खिलाफ करेगा , इसके बाद 17अगस्त को इंग्लैंड और 19अगस्त को अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकि स्तान का सामना करेगा। पाकिस्तान के खिलाफ होने वाला यह मैच पूल स्टेज का सबसे चर्चित मुकाबला होगा। एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप के शुरुआती तीन संस्करणों में कांस्य (वासिलोना 1971)रजत (एम्स्टर्डम 1973)और स्वर्ण (कुआलालंपुर 1975)(पदक जीतने के बाद भारतीय टीम को अगले पदक का इंतजार है। विश्व कप के लिए भारतीय टीम गोलकीपर: मोहित एचएस, सूरज करकेरा डिफेंडर: जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह(कप्तान) अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, यशदीप सिवाच

कामन वेल्थ गेम्स ओर एशियाई खेलों में पदक जीतना लक्ष्य:तैराक साजन प्रकाश

नई दिल्ली (एजेंसी)

पेरिस ओलंपिक के बाद थकान और तनाव की वजह से ब्रेक लेने वाले अनुभवी भारतीय तैराक साजन प्रकाश प्रतियोगी तैराकी में



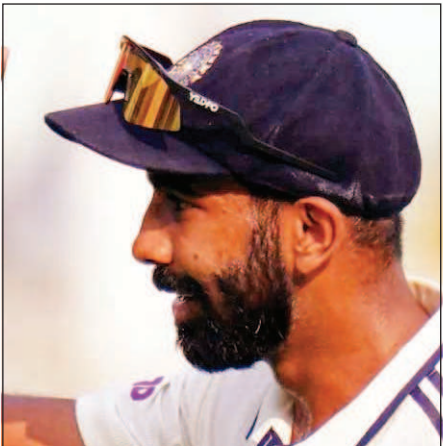
वापसी कर रहे हैं। प्रकाश का कहना है कि उनका लक्ष्य ग्लासगो में शुरू हो रहे कॉमनवेल्थ गेम्स और सि तंबर में होने वाले एशियाई खेलों में पदक जीतना है। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) द्वारा आयोजित एक वर्चुअल बातचीत में आईएनएस के सवाल का जवाब देते हुए प्रकाश ने कहा,‘‘यह कहना चाहूंगा कि जब एथलीट बहुत कड़ी ट्रेनिंग करते हैं और अच्छा प्रदर्शन करने, खुद को और अपने परिवार को सुरक्षित रखने और भारत का नाम रोशन करने के लिए अपना सब कुछ झोंक देते हैं, तो वे दर्द सहने के आदी हो जाते हैं और कई बातें समझ नहीं पाते। अगर उन्हें अकेला छोड़ दिया जाए, तो उन्हें समझ नहीं आता कि रिकवरी क्या है। रिकवरी और आराम भी ट्रेनिंग का ही हिस्सा है। उन्होंने कहा,‘‘रिकवरी का मतलब हमेशा जोर लगाना नहीं होता। जब मैंने ब्रेक लिया, तो मुझे समझ आया कि मेरा शरीर बहुत बड़े शॉक में था और मुझे रिकवर करने और आराम करने की जरूरत थी। कभी-कभी जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है और आप आगे बढ़ते हैं, आराम बहुत जरूरी हो जाता है, यह रिकवरी का एक अहम हिस्सा है। यह भी ट्रेनिंग का ही हिस्सा है।

टीम इंडिया अगस्त में खेलेगी टेस्ट सीरीज, जसप्रीत बुमराह को लेकर सस्पेंस, जल्द होगा स्वचाड काएलान

टीम इंडिया अभी तो जिम्बाब्वे दौर पर है। जहां 23 जुलाई से तीन टी20मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इसके बाद भारतीय टीम श्रीलंका के दौरे पर जाएगी, जहां दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे। ये सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा होगी, इसलिए और भी ज्यादा अहम हो जाएगी। वैसे तो इस सीरीज के शुरू होने में अभी वक्त है, लेकिन जल्द ही स्क्वाड का ऐलान किया जा सकता है। इस बीच सवाल जसप्रीत बुमराह को लेकर है कि क्या वे इस सीरीज का हिस्सा हो पाएंगे। इसका खुलासा तभी होगा, जब टीम का ऐलान वीसीसीआई की ओर से किया जाएगा। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा होगी भारत बनाम श्रीलंका टेस्ट सीरीज भारतीय क्रिकेट टीम जल्द ही टेस्ट के लिए फिर से मैदान पर उतरेगी। वैसे तो भारत ने कुछ ही दिन पहले अफगानिस्तान के खिलाफ भी एक टेस्ट मैच खेला और जीता भी था, लेकिन वो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं था। इसलिए उसकी हार जीत से कोई फर्क नहीं पड़ा। लेकिन अब डब्ल्यूटीसी के तहत दो टेस्ट मैच खेल जाएंगे, इसके लिए टीम इंडिया श्रीलंका के दौरे पर जाएगी।

15अगस्त से शुरू होगी भारत बनाम श्रीलंका टेस्ट सीरीज

दो मैचों की सीरीज का पहला मैच 15अगस्त से गॉल के इंटरनेशनल स्टेडियम पर खेला जाएगा। जो 19अगस्त तक चलेगा। इसके बाद दूसरा मैच 23 अगस्त से होगा, जो 27 अगस्त तक जारी रहेगा। ये मैच कोलंबो में खेला जाएगा। ये सीरीज काफी अहम होने वाली है। अब इसके शुरू होने में एक महीने से कम का वक्त बचा है, इसलिए जल्द ही टीम का ऐलान होना है। उम्मीद है कि इस



ससाह या फिर अगले ससाह की शुरुआत में ही टीम घोषित कर दी जाएगी। शुभमन गिल संभालेंगे टीम की कप्तान, जसप्रीत बुमराह को लेकर तस्वीर साफ नहीं सीरीज के दौरान भारतीय टीम की कप्तान एक बार फिर शुभमन गिल संभालते हुए नजर आएंगे। लेकिन सवाल बुमराह को लेकर है। हाल ही में भारत और इंग्लैंड के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली गई थी। इसके पहले दो मैचों में बुमराह नजर आए और अच्छी गेंदबाजी भी की लेकिन सीरीज का तीसरा मैच वे मिस कर गए थे। ऐसे में सवाल उठने शुरू हो गए कि क्या वे श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज का हिस्सा हो पाएंगे। वैसे तो अभी तक वीसीसीआई ने जसप्रीत बुमराह की चोट को लेकर कोई अपडेट नहीं दिया है, लेकिन अभी सीरीज में करीब एक महीने से कुछ कम का वक्त है तो उम्मीद की जानी चाहिए कि तब तक वे फिट हो जाएंगे।